कोटद्वार, मंगलवार
15 जुलाई 2025
वर्ष: 47
अंक: 77 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

पीएम सूर्य घर सोलर सब्सिडी पर दखल दे नियामक आयोग

देहरादून। पीएम सूर्यघर योजना में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने वाले उपभोक्ताओं की सब्सिडी अटकने का मामला उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग पहुंच गया है। उपभोक्ताओं ने अध्यक्ष विद्युत नियामक आयोग से सब्सिडी का समय पर भुगतान न होने की शिकायत की है। इसके साथ ही वेंडरों के स्तर पर बरती जा रही लापरवाही का भी मामला उठाया। उपभोक्ताओं की ओर से आयोग अध्यक्ष से इस मामले में तत्काल दखल देने की मांग की गई। उपभोक्ता वीरू बिष्ट ने कहा कि वेंडरों की लापरवाही से आम जनता को लगातार परेशानी उठानी पड़ रही है।

वेंडरों और ऊर्जा निगम के अधिकारियों की वजह से उपभोक्ता सब्सिडी के लिए विभागों के महीने से चक्कर काट रहे हैं। सोलर प्लांट लगने के कई महीनों बाद भी वेंडर जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी नहीं कर रहे हैं। केंद्रीय पोर्टल पर योजना की प्रगति संबंधी जानकारी समय पर अपलोड नहीं की जा रही है। इससे केंद्र सरकार समेत राज्य सरकार की सब्सिडी उपभोक्ताओं के खाते में नहीं आ रही है। कहा कि 31 मार्च से पहले सोलर प्लांट लगाने वाले उपभोक्ताओं को भी इस लापरवाही, देरी के कारण सब्सिडी का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

अब कहा जा रहा है कि ऐसी उपभोक्ताओं को अब सब्सिडी का लाभ नहीं दिया जाएगा। कहा कि न डॉक्यूमेंट वेबसाइट पर अपलोड हो रहे हैं। न यूपीसीएल समय पर निरीक्षण कर रहा है। इसके साथ ही जिन उपभोक्ताओं के यहां प्लांट लग रहे हैं, उन्हें बिजली का नया मीटर भी अपने निजी खर्चे पर खरीदना पड़ रहा है। मीटर खराब होने पर उपभोक्ता को दोबारा मीटर खरीद कर लगाना पड़ रहा है। इससे उपभोक्ता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। कहा कि समय पर सब्सिडी का भुगतान सुनिश्चित कराया जाए।

दून अस्पताल में एक दिन में बचाई सात जिंदगी

देहरादून। दून अस्पताल के मेडिसिन विभाग के डॉक्टरों ने एक ही दिन में सात जिंदगी बचाई। इन सातों को अति गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। इन मरीजों में सांप, बिच्छू के काटे, कीटनाशक, टरमाइट किलर या फिनाइल जैसी विषैली चीजों का सेवन करने, मच्छर मारने वाली कॉइल खा लेने, नशे में बहुत ज्यादा दवा खा लेने वाले मरीज थे।

टीम में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार पांडेय, पीजी चिकित्सक डॉ. प्रशांत, डॉ. नंदना, डॉ. प्रत्यक्ष, ईएमओ डॉ. रजदीप, इंटर्न डॉ. प्रियंका और इमरजेंसी के स्टाफ का सहयोग रहा। डॉ. पांडेय ने बताया कि कुछ मामलों की जड़ में मानसिक तनाव, अवसाद और सामाजिक–व्यक्तिगत संघर्ष जैसी समस्याएं थीं। कुछ मरीज पारिवारिक कलह, नशे की लत या सामाजिक दबावों के चलते आत्मघाती कदम उठाने पर मजबूर हुए थे। कहा कि जहर का इलाज तो कर सकते हैं, लेकिन उस मानसिक जहर का भी इलाज करना होगा, जो ऐसा कदम उठाने पर मजबूर करता है। इसीलिए मानसिक स्वास्थ्य को भी तरजीह देनी होगी। प्राचार्य डॉ. गीता जैन, एमएस डॉ. आरएस बिष्ट एवं डीएमएस डॉ. एनएस बिष्ट ने टीम को सराहा।

तेज रफ्तार बाइक फिसलने से युवक की मौत, सिर में गंभीर चोट

हल्द्वानी। कालाढूंगी रोड के नैनीताल तिराहे पर रविवार देर रात तेज रफ्तार व हेलमेट न पहनने के कारण बाइक फिसलने से चालक के सिर में गंभीर चोट लग गई। जिससे उसकी मौके पर ही जान चली गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस के मुताबिक, डाक बंगला वार्ड एक निवासी 35 वर्षीय नीरज सिंह अधिकारी पुत्र हीरा सिंह स्थानीय दुकान में काम करते थे। रविवार रात करीब 12 बजे कालाढूंगी रोड से अपने घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नीरज की बाइक की रफ्तार काफी तेज थी और उन्होंने हेलमेट नहीं पहना था। नैनीताल तिराहे पर अचानक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में नीरज सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट लगी। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सावन के पहले सोमवार पर उमड़ा आस्था का सैलाब

हरिद्वार। सावन के पहले सोमवार को हरिद्वार में आस्था और भक्ति की अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह होते ही हरिद्वार के प्रमुख शिव मंदिरों में शिवभक्तों की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालु दूर–दूर से जल चढ़ाने के लिए पहुंचे और भोले बम के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। वहीं दूसरी ओर विभिन्न राज्यों–उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा आदि से आए कांवड़ियों ने हर की पैड़ी पर गंगा स्नान कर गंगाजल भरकर अपने–अपने गंतव्यों की ओर प्रस्थान किया।

नृसिंहाचल पर्वत से गिरे बोल्डर, कई मकान क्षतिग्रस्त, एक घायल

नई टिहरी : देवप्रयाग नगर के नृसिंहाचल पर्वत की तलहटी में बसे बाह बाजार में सोमवार दोपहर में भूस्खलन से हड़कंप मच गया। पहाड़ी से बड़े बोल्डर गिरने से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इसमें एक व्यक्ति घायल हुआ है। गनीमत रही कि हादसे के समय अधिकांश लोग घरों से बाहर थे। जिससे बड़ा नुकसान टल गया। सोमवार दोपहर में नृसिंहाचल पर्वत का एक हिस्सा अचानक दरक गया। जिसमें बड़े बोल्डर तेजी से नीचे लुढ़कते हुए बाह बाजार में आ गिरे। इन बोल्डरों की चपेट में विपिन चंद्र मिश्रा, भगवती प्रसाद मिश्रा और पनीलाल के मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के समय पनीलाल अपने घर के अंदर मौजूद थे बोल्डरों के गिरने से उनका मकान पूरी तरह क्षति ग्रस्त हो गया और वह घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और घायल पनीलाल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। भारी बोल्डर से यहां दो बाइक, एक पिकअप वाहन भी इनके नीचे दब गए। बाह बाजार के कई बिजली के खंभे भी टूट गए, जिससे इलाके में विद्युत आपूर्ति भी बाधित हो गई है। 2010 में भी नृसिंहाचल पर्वत से इसी तरह बोल्डर गिरे थे।

सीएम धामी ने की नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से शिष्टाचार भेंट

विश्व के 27 देशों द्वारा प्रधानमंत्री जी को अपने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किए जाने से सभी भारतवासी गौरवान्वित: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर उत्तराखण्ड के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास में सहयोग के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड विकसित भारत 2047 के विजन में अपनी प्रभावी भूमिका निभाने को तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व के 27 देशों द्वारा प्रधानमंत्री जी को अपने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किए जाने से सभी भारतवासी गौरवान्वित हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जी को कार्तिक स्वामी मंदिर के प्रतिरूप और आदि कैलाश यात्रा पर कॉफ़ीटेबिल बुक के साथ ही उत्तराखण्ड के उत्पाद कनार (धारचूला) का घी , लाल (पुरोला) चावल, बासमती चावल, काला जीरा, गंध रैण, जम्बू और स्थानीय शहद भेंट किये। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से केदारनाथ धाम और बदरीनाथ धाम की भांति ही हरिद्वार गंगा कॉरिडोर, ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर और चम्पावत में शारदा कॉरिडोर के मास्टर प्लान के अनुरूप अवस्थापना विकास के लिए सीएसआर के माध्यम से वित्त पोषण के लिए संबंधित को निर्देशित करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड के ऊधमसिंह नगर स्थित नेपा फार्म को सेमी कन्डक्टर हब के रूप में विकसित करने लिए सेमी कन्डक्टर उद्योग लगाए जाने, दिल्ली व मेरठ के मध्य रीजनल रैपिड ट्रान्जिट सिस्टम को हरिद्वार तक विस्तारित करने और टनकपुर–बागेश्वर व ऋषिकेश–उत्तरकाशी रेल परियोजनाओं में मार्ग निर्माण का प्रावधान भी शामिल किये जाने के लिए संबंधित मंत्रालयों को निर्देशित किये जाने का प्रधानमंत्री से आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को उत्तराखण्ड में वर्ष 2026 में होने जा रही नंदा राजजात यात्रा की जानकारी देते हुए कहा कि इसके संचालन के लिए व्यापक रूप से पर्यावरण अनुकूल अवस्थापना सुविधाएं विकसित की जानी हैं। मुख्यमंत्री ने अगस्त 2026 में आयोजित इस पर्वतीय महाकुंभ नंदा राजजात यात्रा के लिए प्रधानमंत्री जी को आमंत्रित किया और साथ ही यात्रा में अवस्थापना सुविधाएं सुनिश्चित किए जाने के लिए 400 करोड की धनराशि केंद्र से उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 में हरिद्वार में दिव्य और भव्य महाकुंभ का आयोजन किया जाना है। राज्य सरकार द्वारा इसकी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसके सफल आयोजन के लिए हरिद्वार में पुलों की मरम्मत, पार्किंग, विद्युत, पेयजल, शौचालय, परिवहन, श्रद्धालुओं के लिए पैदल मार्ग सहित अन्य कार्य कराए जाने हैं। मुख्यमंत्री ने इसके लिए 3500 करोड रूपए की वित्तीय सहायता दिये जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश और हरिद्वार शहरों में एचटी व एलटी विद्युत लाईनों को भूमिगत करने के साथ ही विद्युत प्रणाली को स्वचालित करने के लिए उत्तराखण्ड सरकार द्वारा भेजी गई 1015 करोड की डीपीआर को आरडीएसएस योजना के अंतर्गत स्वीकृत किये जाने के लिए संबंधित को निर्देशित करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश के निकट स्थित अनोखी धरोहर चौरासी कुटिया को अपने पुराने रूप में लाने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है।

सस्पेंस खत्म, चुनाव चिह्न आवंटन, हाईकोर्ट से राहत मिलते ही जारी किया आदेश

देहरादून। हरिद्वार को छोड़ राज्य के शेष 12 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर किंतु–परंतु के बादल अब चुनाव चिह्न आवंटन के साथ ही छंट गए। हाईकोर्ट से राहत मिलते ही राज्य निर्वाचन आयोग के आदेश पर जिलों में सोमवार को दोपहर दो बजे से चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई, जो मंगलवार को भी चलेगी। आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पंचायत चुनाव की प्रक्रिया बाधित नहीं होगी और आगे का शेष कार्यक्रम यथावत रहेगा। इससे चुनाव मैदान में डटे प्रत्याशियों के चेहरे भी खिल गए हैं। यद्यपि, यह भी साफ किया गया है कि किसी पद पर दो जगह मतदाता सूची में नाम के मामला होने पर बाद में निर्वाचन याचिका दाखिल की जा सकती है। पंचायत चुनाव का विषय इस बार सबसे अधिक चर्चा के केंद्र में रहा है। पंचायतों का कार्यकाल खत्म होने के बाद प्रशासक कार्यकाल में भी चुनाव की स्थिति नहीं बन पाई तो दो सप्ताह तक पंचायतें नेतृत्व विहीन रहीं। इसके बाद पंचायत चुनाव के लिए कसरत शुरू हुई और 21 जून को कार्यक्रम घोषित किया गया। इसके लिए दो जुलाई से नामांकन प्रक्रिया शुरू होनी थी। लेकिन, आरक्षण नियमावली का गजट नोटिफिकेशन न होने पर हाईकोर्ट ने इसमें स्थगनादेश दे दिया था। नतीजतन, आयोग ने 24 जून को चुनाव कार्यक्रम को अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दिया था। 27 जून को हाईकोर्ट ने स्थगनादेश को समाप्त किया और फिर 28 जून को आयोग ने चुनाव की संशोधित अधिसूचना जारी की। इसके तहत नामांकन, नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी हो चुकी है। इस बीच ऐसे प्रत्याशियों का मामला उछला, जिनके नाम शहरी निकायों व पंचायत की मतदाता सूचियों में दर्ज हैं। हाईकोर्ट ने भी इससे संबंधित मामले में चल रहे इस पर प्रश्न उठाए। परिणामस्वरूप आयोग ने सोमवार को होने वाली चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी थी। इन सब परिस्थितियों में पंचायत चुनाव होंगे या नहीं, इसे लेकर तमाम किंतु–परंतु उठने लगे। यद्यपि, आयोग ने रविवार को हाईकोर्ट के आदेश पर स्पष्टता को लेकर याचिका दाखिल की। सोमवार को हाईकोर्ट से स्पष्टता मिलने के बाद राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटन के आदेश जारी कर दिए। सोमवार को दोपहर दो से शाम छह बजे तक आवंटन हुआ। मंगलवार को भी इनका आवंटन होगा। आदेश के मुताबिक पंचायत चुनाव का आगे का कार्यक्रम यथावत रहेगा।

कांवड़ छोड़कर गया तो साथी करेंगे मारपीट: कांवड़िए

रुड़की। सावन माह में चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस ने मानवता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दिल्ली के दो कांवड़ियों अजय सिंह और अक्षय की सहायता की। दोनों घटनाओं में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर कांवड़ियों की परेशानी को दूर किया और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की। दिल्ली के जनकपुरी निवासी अजय सिंह ने बताया कि वह मंगलौर में एसबीआई बैंक के पास एक दुकान पर कोल्ड ड्रिंक पीने रुके थे। इस दौरान उन्होंने अपना बैग सड़क किनारे सर्विस लाइन के खंभे पर लटकाया था, जिसमें उनके कपड़े, दवाइयां और गंगाजल की छोटी बोतल थी। कुछ देर बाद बैग गायब हो गया। परेशान होकर अजय सिंह ने थाना में इसकी सूचना दी और गंगाजल की आवश्यकता बताई। उनकी परेशानी को देखते हुए पुलिस ने तुरंत शिव मंदिर में रखा गंगाजल उपलब्ध कराया। दूसरी घटना में दिल्ली निवासी अक्षय ने 112 पर संपर्क कर सूचना दी कि वह मंगलौर के गुड़मंडी क्षेत्र में हैं और पैर की अशक्तता के कारण गंगाजल लेकर आगे बढ़ने में असमर्थ हैं।

केरल में निपाह वायरस ने फिर दी दस्तक, 57 वर्षीय व्यक्ति की मौत

राज्य सरकार ने बढ़ाई सतर्कता

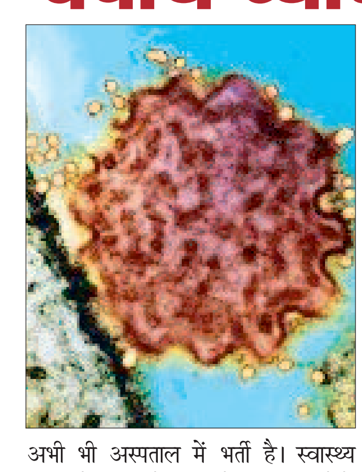

पलक्कड़ ,केरल के पलक्कड़ जिले में निपाह वायरस संक्रमण का नया संदेह सामने आया है। जिले के एक 57 वर्षीय व्यक्ति की 12 जुलाई को मौत हो गई, और शुरुआती जांच में उसमें निपाह वायरस के लक्षण पाए गए हैं। इस घटना के बाद राज्य सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है और संदिग्ध संपर्कों की पहचान के लिए अभियान तेज कर दिया गया है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने बताया कि मृतक का इलाज पलक्कड़ के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। उसके नमूनों की जांच मंजेरी मेडिकल कॉलेज में की गई, जहां निपाह वायरस से संक्रमण के शुरुआती संकेत मिले हैं। हालांकि, संक्रमण की पुष्टि के लिए पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान से रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। केरल में निपाह वायरस से यह हाल के दिनों में दूसरी मौत है। इससे पहले मलप्पुरम के एक निवासी की निपाह संक्रमण से मौत हो चुकी है, जबकि पलक्कड़ का एक अन्य मरीज अभी भी अस्पताल में भर्ती है। स्वास्थ्य विभाग ने मृतक के संपर्क में आए 46 लोगों की सूची तैयार की है। इनकी पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल टावर लोकेशन डेटा की मदद ली जा रही है। क्षेत्र में निगरानी और बुखार की जांच का दायरा भी बढ़ा दिया गया है। मंत्री वीणा जॉर्ज ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रतिक्रिया टीमों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने पलक्कड़ और मलप्पुरम जिलों के लोगों से अनावश्यक रूप से अस्पतालों में जाने से बचने की अपील की है। किसी मरीज से मिलने पर संपर्क को सीमित रखने की सलाह दी गई है, और तीमारदार के तौर पर केवल एक व्यक्ति को ही साथ रहने की अनुमति दी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अस्पतालों में आने वाले सभी लोगों – मरीज, तीमारदार और स्वास्थ्यकर्मी – को हर समय मास्क पहनना अनिवार्य होगा। इस बीच, स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय ने पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और त्रिशूर जिलों के अस्पतालों को निपाह अलर्ट पर रहने का निर्देश जारी किया है। अस्पतालों से कहा गया है कि तेज बुखार या निपाह इंसेफेलाइटिस जैसे लक्षणों वाले किसी भी मरीज की तुरंत सूचना दी जाए। राज्य सरकार ने सभी जिलों में सतर्कता बढ़ा दी है और कहा है कि जरूरत पड़ने पर क्वारंटीन और आइसोलेशन की व्यवस्थाएं भी सक्रिय की जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है और आमजन से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है।

ज्यादा कुछ नहीं किया जा सकता, निमिषा प्रिया को फांसी से बचाने पर सुप्रीम कोर्ट से बोली केंद्र सरकार

नई दिल्ली,यमन में हत्या के मामले में दोषी ठहराई गई केरल की नर्स निमिषा प्रिया की फांसी की सजा मामले में सोमवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है. केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि, निमिषा प्रिया की यमन में फांसी रोकने के लिए वह कुछ खास नहीं कर सकती है. नर्स को 16 जुलाई को फांसी दी जानी है. मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की बेंच ने की. अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमण ने बेंच के समक्ष दलील दी कि सरकार कुछ खास नहीं कर सकती. उन्होंने आगे कहा, यमन की संवेदनशीलता को देखते हुए...इसे कूटनीतिक रूप से मान्यता नहीं मिली है...यह एक निजी समझौता है.केंद्र के वकील ने बेंच को बताया कि एक सीमा होती है जहां तक सरकार जा सकती है, और सरकार उस सीमा तक पहुंच चुकी है. अटॉर्नी जनरल ने दलील दी कि यमन दुनिया के किसी भी अन्य हिस्से जैसा नहीं है, और सरकार सार्वजनिक रूप से बयान देकर स्थिति को और जटिल नहीं बनाना चाहती. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निजी स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं.सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि चिंता का असली कारण यह है कि घटना किस तरह से हुई और अगर वह अपनी जान गंवा देती है तो यह बहुत दुखद होगा. बेंच ने सरकार के वकील को बताया कि याचिकाकर्ता केवल बातचीत का अनुरोध कर रहा है. याचिकाकर्ता के वकील ने बेंत के समक्ष दलील दी कि नर्स निमिषा प्रिया को मौत की सजा न दी जाए. बेंच ने पूछा, वह यह आदेश कैसे पारित कर सकती है और इस आदेश का पालन कौन करेगा. याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि बातचीत में पैसा बाधा नहीं बनना चाहिए. बेंच ने कहा कि यह अनौपचारिक संवाद हो सकता है. दलीलें सुनने के बाद, बेंच ने मामले की सुनवाई शुक्रवार के लिए फिर से सूचीबद्ध कर दी. सुप्रीम कोर्ट ने सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था. निमिषा प्रिया को साल 2017 में यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी. आरोप है कि उसने मृतक के पास मौजूद उसका पासपोर्ट वापस पाने के लिए उसे बेहोशी का इंजेक्शन दिया था.याचिका में केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह पीड़िता के जीवन को बचाने के लिए प्रभावी राजनयिक हस्तक्षेप की सुविधा प्रदान करे,

बिहार में वज्रपात से नौ की मौत, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

पटना ,बिहार में पिछले 24 घंटों के दौरान वज्रपात से नौ लोगों की मौत हो गई। मौसम में हुए अचानक बदलाव के कारण पटना, गया, वैशाली और बांका सहित कई जिलों में गरज के साथ बारिश हुई। इस दौरान कई लोगों के घायल होने की भी खबर है। मृतकों की उम्र 12 से 65 वर्ष के बीच है। वज्रपात से सबसे ज्यादा प्रभावित जिला बांका रहा, जहां चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोहकारा की 12 वर्षीय करीना कुमारी, अमरपुर के अनिल यादव, फुलदीदुमार की सुलेक्षा देवी और बेलहर के पशुपालक विजय यादव शामिल हैं। गया जिले में सूर्यमंडल चेकपोस्ट के पास तीन बाइक सवार पर बिजली गिरी। इस हादसे में अंकित कुमार और विकेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वकील मांझी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सोनिया—राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नेशनल हेराल्ड मामले में कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली ,दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी सांसद राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दायर अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई की तारीख 29 जुलाई तय की है। इसी दिन यह तय किया जाएगा कि शिकायत पर अदालत संज्ञान लेगी या नहीं। प्रवर्तन निदेशालय ने इस केस में धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए यह अभियोजन शिकायत दायर की थी। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने यंग इंडियन लिमिटेड के जरिए एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की संपत्तियों का अवैध रूप से अधिग्रहण किया।बता दें कि यह मामला सबसे पहले भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत के आधार पर शुरू हुआ था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेताओं ने यंग इंडियन के जरिए 90 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को गलत तरीके से अपने कब्जे में लिया।

दिल्ली में नेवी और सीआरपीएफ स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली ,राजधानी दिल्ली के दो प्रमुख स्कूलों को सोमवार सुबह ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई, जिससे हड़कंप मच गया। धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्कूल परिसरों की तलाशी शुरू कर दी। हालांकि, अब तक किसी भी स्कूल से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। धमकी भरे ईमेल सुबह करीब 7:30 बजे भेजे गए थे, जिनकी जानकारी दिल्ली पुलिस को सुबह 8:30 बजे पीसीआर कॉल के जरिए दी गई। जिन स्कूलों को निशाना बनाया गया, उनमें चाणक्यपुरी स्थित एक नेवी स्कूल और द्वारका स्थित सीआरपीएफ स्कूल शामिल हैं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 14 जुलाई की सुबह द्वारका उत्तर पुलिस थाने में बम की धमकी वाला एक ईमेल मिलने की सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस की स्थानीय टीम, पीसीआर, बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और साइबर एक्सपर्ट्स घटनास्थल पर पहुंच गए। दोनों स्कूल परिसरों की गहन तलाशी ली गई, लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। पुलिस ने बताया कि धमकी भेजे जाने के स्रोत का साइबर सेल द्वारा पता लगाया जा रहा है, और स्कूलों की सुरक्षा को और भी कड़ा कर दिया गया है। गौरतलब है कि इस वर्ष की शुरुआत में भी दिल्ली–एनसीआर के कई शैक्षणिक संस्थानों को बम की झूठी धमकियां मिल चुकी हैं। इनमें नोएडा का शिव नादर स्कूल, दिल्ली का एल्कॉन इंटरनेशनल स्कूल और सेंट स्टीफंस कॉलेज शामिल थे। उन मामलों में भी बम निरोधक दस्ते ने जांच की थी, लेकिन कोई भी धमकी वास्तविक नहीं निकली।

दो ढोंगी बाबा गिरफ्तार

विकासनगर। ऑपरेशन कालनेमि के तहत सोमवार को विकासनगर कोतवाली पुलिस ने दो ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया है। दोनों लोगों को गृह क्लेश दूर करने, संतान प्राप्त करने, भूत प्रेत के आदि विभिन्न घरेलू समस्याओं के नाम पर लोगों को भ्रमित करते थे और इसके एवज में लोगों को इच्छानुसार पैसे और अन्य बहुमूल्य वस्तुएं ले लेते थे। कोतवाल ने कहा कि इनके झांसे में आए पीड़ितों की पहचान की जा रही है। जिससे कि ढोंगी बाबाओं पर कड़ी कार्रवाई की जा सके। विदित है कि वर्तमान में मुख्यमंत्री ने संपूर्ण प्रदेश में ऑपरेशन कालनेमि अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जिसके तहत ऐसे छद्म भेषधारी बाबा जो बिना धार्मिक ज्ञान के लोगों की धार्मिक भावनाओं के नाम पर झाड़ फूंक, जादू टोना कर भ्रमित कर ठग रहे हैं एवं अपने मूल धर्म को छुपाकर अन्य धर्म का चौला धारण कर अवैध रूप से अनुचित लाभ अर्जित कर रहे हैं,

उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे फिल्म निर्माता

नई दिल्ली , उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर रोक पर के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। फिल्म निर्माता ने दिल्ली हाई कोर्ट के 10 जुलाई के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। फिल्म निर्माता के वकील ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की और मामले को सुनवाई के लिए तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने मामले को एक–दो दिन में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का भरोसा दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया फिल्म निर्माता की ओर से कोर्ट में पेश हुए।

फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होनी थी, लेकिन इससे एक दिन पहले 10 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को सिनेमा एक्ट की धारा 6 के तहत फिल्म की समीक्षा करने का आदेश दिया था। यह फैसला तीन याचिकाओं पर दिया गया था, जिनमें जमीयत उलमा–ए–हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी की याचिका भी शामिल थी। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि फिल्म सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ है और मुस्लिम समुदाय को बदनाम करती है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मौलाना अरशद मदनी की ओर से हाईकोर्ट में पक्ष रखा।

सेंसर बोर्ड ने हाईकोर्ट को बताया था कि फिल्म के कुछ विवादित हिस्से हटा दिए गए हैं। कोर्ट ने फिल्म निर्माता से कहा था कि वे फिल्म और ट्रेलर एक बार फिर याचिकाकर्ताओं के वकीलों को दिखाएं।

सम्पादकीय

मानसून में धार्मिक यात्राएं

उत्तराखंड में मानसून खासतौर से पहाड़ों में अपने पूरे तूफान पर है और लगभग 120 से अधिक सड़कें अलग–अलग स्थान पर प्रभावित हुई है इसी मानसून के बीच चार धाम यात्रा और कावड़ यात्रा भी उत्तराखंड के धार्मिक माहौल भक्तिमय बना रही है। हालांकि बात करें कावड़ यात्रा की तो इसका पूरा यात्रा मार्ग भारी बारिश के बावजूद सुरक्षित माना जा सकता है जबकि चार धाम यात्रा सामान्य दिनों में भी संभावित खतरों से जूती आई है तो इस समय तो मानसून में यात्रा को कुछ समय के लिए टालने की नसीहत तो प्रशासन भी देता है। मानसून की शुरुआत के साथ ही उत्तराखंड में आसमानी आफत का कर शुरू हो चुका है। पहाड़ से लेकर मैदान तक बरसात अपना असर दिख रही है और जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। वही उत्तराखंड की चार धाम यात्रा पर भी इसका व्यापार का असर देखने को मिला है और एक यात्रियों की संख्या में भी अब धीरे–धीरे कमी देखने शुरू हो गई है। उत्तराखंड में मानसून के दौरान हमेशा से ही भारी बरसात के कारण यह परिस्थितियाँ उत्पन्न होती हैं और राज्य सरकार इसके लिए मानसून से पूर्व ही व्यापक प्रबंध करती है लेकिन बावजूद इसके उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियाँ प्राकृतिक आपदाओं को निमंत्रण देता है। जगह–जगह लैंड स्लाइडिंग की घटनाएं होने लगी है तो वहीं ऐसे मौके पर यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखा जा रहा है।परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री खुद राहतकारी एवं व्यवस्थाओं का आकलन करते आ रहे हैं और समस्त सरकारी मशीनरी को आपदा राहत में जुट जाने के लिए कहा गया है। जिला स्तर पर टीमों को 24 घंटे अलर्ट रहने को कहा गया है ताकि हर यात्री और नागरिकों की सुरक्षा में कोई अनदेखी या लापरवाही न होने पाए। मौसम विभाग पहले ही इस बार अच्छे मानसून की संभावनाएं जता चुका है तो इन परिस्थितियों में उत्तराखंड के लिए मानसून काफी जटिलता और चुनौतियों से परिपूर्ण साबित होने वाला है। खासतौर से यात्रा मार्ग में सफर करने वालों एवं पहाड़ों में रहने वाले लोगों के लिए बेहद सतर्क रहने का समय है। सरकार की कोशिश है कि समय पर या फिर समय से पूर्व संभावित स्थलों पर आपदा रहती में उपलब्ध रहे ताकि किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा या फिर सड़क दुर्घटनाओं के दौरान तत्काल बचाव व राहत कार्य शुरू किया जा सके। पहाड़ों की ज़बरदस्त बारिश को देखते हुए मौसम का पूर्वानुमान करते हुए ही यात्रा करनी चाहिए। सरकार यात्री और अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए कृत संकल्प है लेकिन यह सभी का कर्तव्य है कि उत्तराखंड की भौगोलिक स्थिति और मानसून की गति को देखते हुए अपनी जिम्मेदारियां को भी समझें। इन विषम प्राकृतिक परिस्थितियों के बावजूद प्रदेश में धार्मिक गतिविधियों ने पूरे माहौल को भक्तिमय तो बना ही रखा है, कुछेक घटनाओं के बावजूद!

अंतरिक्ष में भारत की मजबूत उपस्थिति

41 साल पहले, 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा ने सोवियत यूनियन के सोयुज टी–11 मिशन के तहत अंतरिक्ष में कदम रखा था। तब से भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन मानव अंतरिक्ष उड़ान में यह दूसरा बड़ा कदम है। शुभांशु की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा भारत के लिए कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है। इसरो ने एक्सिओम–4 मिशन के लिए 5 अरब रुपये (.59 मिलियन) का निवेश किया, ताकि शुभांशु को प्रशिक्षण और अंतरिक्ष अनुभव प्राप्त हो सकें। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा, 'इस मिशन से प्राप्त अनुभव और प्रशिक्षण भारत के लिए अभूतपूर्व लाभकारी होंगेइ शुभांशु का यह अनुभव गगनयान के लिए लॉन्च प्रोटोकॉल, माइक्रोग्रैविटी अनुकूलन, और आपातकालीन तैयारी में मदद करेगा। एक्सिओम–4 मिशन नासा, इसरो, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस के बीच सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

विनीत नारायण

41 साल बाद भारत ने एक बार फिर अंतरिक्ष में अपनी उपस्थिति मजबूत की है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से एक्सिओम–4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा शुरू की जिसने न केवल भारत की अंतरिक्ष महत्त्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों के सपनों को भी पंख दिए।

अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसा अनुभव है, जो सामान्य मानवीय अनुभवों से परे है। यह न केवल वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि एक गहन व्यक्तिगत और दार्शनिक अनुभव भी है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा के दौरान कहा, 'क्या कमाल की सवारी थी!इ यह उत्साह और आश्चर्य उनकी भावनाओं का प्रतीक है, जो हर उस व्यक्ति के मन में कौतूहल जगाता है, जो अंतरिक्ष की सैर का सपना देखता है। अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने पर सबसे पहला अनुभव शून्य गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) का होता है। शुभांशु ने इसे 'शिशु की तरह चलना सीखनेइ जैसा बताया। अंतरिक्ष यात्री को अपने शरीर को नियंत्रित करने, खाने, पढ़ने और यहां तक कि सोने के लिए भी नये तरीके सीखने पड़ते हैं। यह अनुभव चुनौतीपूर्ण होने के साथ–साथ रोमांचक भी है। अंतरिक्ष में तैरना, जहां हर वस्तु हवा में लंगरहीन होती है, एक ऐसी अनुभूति है, जो पृथ्वी पर असंभव है।

इसके साथ ही अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखना एक गहन अनुभव है। नीले ग्रह की सुंदरता, बादलों की नाजुक परतें और महासागरों की विशालता अंतरिक्ष यात्रियों को प्रकृति और मानवता के प्रति गहरी जिम्मेदारी का अहसास कराती हैं। शुभांशु ने अपनी यात्रा के दौरान कहा, 'मैं दृश्यों का आनंद ले रहा हूं।इ ये दृश्य न केवल मनमोहक हैं, बल्कि यह भी याद दिलाते हैं कि हमारा ग्रह कितना नाजुक और अनमोल है। अंतरिक्ष यात्रा शारीरिक और मानसिक रूप से कठिन होती है। लॉन्च के दौरान तीव्र जी–फोर्स का अनुभव, अंतरिक्ष में प्रारंभिक असुविधा और माइक्रोग्रैविटी में अनुकूलन की प्रक्रिया हर अंतरिक्ष यात्री के लिए कठिन परीक्षा होती है। शुभांशु ने हंसते हुए बताया कि उन्होंने अंतरिक्ष में 'काफी सोयाइ जो उनके अनुकूलन का हिस्सा था। इसके अलावा, अंतरिक्ष स्टेशन पर लंबे समय तक रहने से मांसपेशियों का क्षय और हड्डियों की कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिनका अध्ययन इस मिशन का एक हिस्सा था। अंतरिक्ष स्टेशन पर समय केवल दृश्यों का आनंद लेने तक सीमित नहीं है।

एक्सिओम–4 मिशन के दौरान शुभांशु और उनकी टीम ने 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किए, जिनमें से सात भारत के थे। इन प्रयोगों में माइक्रोग्रैविटी में फसल बीजों का प्रभाव, मांसपेशियों के क्षय का अध्ययन और डीएनए मरम्मत जैसे विषय शामिल थे। यह कार्य न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी मजबूत करता है।

41 साल पहले, 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा ने सोवियत यूनियन के सोयुज टी–11 मिशन के तहत अंतरिक्ष में कदम रखा था। तब से भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन मानव अंतरिक्ष उड़ान में यह दूसरा बड़ा कदम है। शुभांशु की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा भारत के लिए कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है। इसरो ने एक्सिओम–4 मिशन के लिए 5 अरब रुपये (.59 मिलियन) का निवेश किया, ताकि शुभांशु को प्रशिक्षण और अंतरिक्ष अनुभव प्राप्त हो सकें। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा, 'इस मिशन से प्राप्त अनुभव और प्रशिक्षण भारत के लिए अभूतपूर्व लाभकारी होंगेइ शुभांशु का यह अनुभव गगनयान के लिए लॉन्च प्रोटोकॉल, माइक्रोग्रैविटी अनुकूलन, और आपातकालीन तैयारी में मदद करेगा। एक्सिओम–4 मिशन नासा, इसरो, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस के बीच सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह मिशन भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में इसके योगदान को दर्शाता है। पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यह मिशन वैश्विक एकता और साझा वैज्ञानिक लक्ष्यों का प्रतीक है। शुभांशु की यात्रा ने भारत के युवाओं में अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति उत्साह जगाया है। लखनऊ में उनके स्कूल, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, में आयोजित वॉच पार्टी में सैकड़ों छात्रों ने उनके प्रक्षेपण को देखा और उत्साह के साथ तालियां बजाई। इसरो ने शुभांशु के लिए भारतीय छात्रों के साथ बातचीत के आयोजन की योजना बनाई है, जो नई पीढ़ी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में कॅरियर बनाने के लिए प्रेरित करेगा।भारत ने 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, स्थापित करने और 2040 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की महत्त्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। शुभांशु की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा इन लक्ष्यों की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। यह भारत को न केवल तकनीकी रूप से सक्षम बनाता है, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भी स्थापित करता है। शुभांशु ने अपनी कक्ष से संदेश में कहा, 'मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं अकेला नहीं हूं, मैं आप सभी के साथ हूं।इ यह भावना 1.4 अरब भारतीयों के गर्व और एकता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि को '1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीकइ बताया है।

यह मिशन भारत की प्रगति और आत्मनिर्भरता का एक और प्रमाण है। अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसी यात्रा है, जो न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देती है, बल्कि मानवता को अपनी सीमाओं से परे सोचने के लिए भी प्रेरित करती है। शुभांशु शुक्ला की एक्सिओम–4 मिशन में भागीदारी भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो 41 साल बाद अंतरिक्ष में देश की वापसी को चिह्नित करता है। यह मिशन न केवल गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे भविष्य के मिशनों के लिए आधार तैयार करता है, बल्कि भारत के युवाओं को सपने देखने और उन्हें हासिल करने की प्रेरणा भी देता है। जैसा कि शुभांशु ने कहा, 'यह मेरी उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक जीत है।

अमीर और अमीर

साहसिक स्वीकारोक्ति, सच्चाई का सामना या सरकार को आईना दिखाना कहें, या कुछ और लेकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जो कहा उसे सरकार के रुख के विपरीत तो कहा ही जा सकता है।

उन्होंने जो कहा उसका साफ–साफ अभिप्रायः यही है कि देश में गरीबों की संख्या बढ़ रही है, अमीर और अमीर होते जा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब संयुक्त राष्ट्र के हवाले से कुछ समय पहले कहा गया था कि देश में 33 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। संघ और अपने गढ़ नागपुर में एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि धन का विकेंद्रीकरण जरूरी है। उन्होंने कृषि, विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) सहित कई मुद्दों पर बात की। उनका इशारा अमीरों के धन पर शिंकजा ढीला करने की तरफ था। उनके अनुसार अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हों और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। उदार आर्थिक नीतियां अपनाने के लिए उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिंह राव और मनमोहनसिंह की प्रशंसा की। उनके अनुसार ऐसे आर्थिक विकल्प पर विचार चल रहा है, जो रोजगार पैदा करेगा और अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ावा देगा। केंद्रीय मंत्री सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्षेत्रीय योगदान में असंतुलन से चिंतित दिखाई दिए। विनिर्माण क्षेत्र 22–24 फीसद, सेवा क्षेत्र 52–54 फीसद योगदान देता है, जबकि कृषि, ग्रामीण आबादी के 65–70 फीसद हिस्से को शामिल करने के बावजूद केवल 12 फीसद योगदान देती है। कृषि क्षेत्र का योगदान अर्थव्यवस्था में और अधिक होना चाहिए। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) की पीठ ठोकते हुए केंद्रीय मंत्री ने उनमें अन्य क्षेत्रों में भी दखल बढ़ाने को कहा। वे अर्थव्यवस्था के वृद्धि इंजन हो सकते हैं। आयकर रिटर्न दाखिल करने और जीएसटी जमा करने तक ही सीमित न रहें। गडकरी ने अपने मंत्रालय के काम का हवाला देते हुए कहा कि सड़क विकास के लिए धन की कमी नहीं है। मैं कहता हूं कि मेरे पास धन की कमी नहीं है, बल्कि मेरे पास काम की कमी है। उन्हें इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि जनता से पैसा वसूल कर खजाना भरना ही योग्यता नहीं है। गरीबों की बढ़ती संख्या और चंद लोगों के अमीर होते जाने की स्थिति को बदलने की आवश्यकता है।

आतंकवाद के खिलाफ मुहिम जारी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले को आर्थिक युद्ध का नया कृत्य बताया। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'न्यूजवीकइ के साथ मैनहट्टन में हुई बातचीत में उन्होंने परमाणु ब्लैकमेल की पाकिस्तान की नीति का जवाब देने की बात भी कही।

जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम अब यह स्वीकार नहीं करेंगे कि आतंकवादी छद्म हैं। इस मामले में पाकिस्तान पूरी तरह दोषी है। पहलगाम में छब्बीस पर्यटकों की निर्मम हत्या के लगभग दो महीनों बाद उन्होंने विस्तार में यह बात की। भारत ने इस आतंकवादी घटना के बाद सीमापार स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला कर दिया था। विदेश मंत्री ने साफ कहा, हम सुरक्षा करेंगे। अपने लोगों की रक्षा करने के अधिकार का हम प्रयोग करेंगे।साथ ही कहा कि हम आतंकवाद पर बातचीत करने को इच्छुक हैं। लेकिन यदि वे आतंकवाद जारी रखते हैं तो मुझे लगता है यह यथार्थवादी नहीं है। यह भी कहा कि आप एक साथ अच्छे पड़ोसी और आतंकवादी नहीं हो सकते। हालांकि पाक सरकार विभाजित कश्मीर में हत्याओं या हमलों में किसी भी तरह का हाथ होने से इंकार करती रही है। उनकी तरफ से भारत पर जवाबी हमले भी किए गए थे और चेतावनी दी गई थी कि यदि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हथियारों का सहारा भी ले सकता है। यह शायद पहली मर्तबा था, जब भारत ने दुश्मन मुल्क के भीतर घुसकर आतंकी ठिकानों का जबरदस्त तौर पर सफाया किया जिसका समूची दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत अब आतंकवादियों के प्रति कोई मुर्वत नहीं करने वाला। पाक में जारी राजनीतिक अस्थिरता और उथल–पुथल के दौरान आतंकवादियों के हौंसले बुलंद होते जा रहे थे। हालांकि सीमापार आतंकवाद की यह मामला बेहद जटिल है, इसलिए इसका समाधान आसानी से नहीं किया जा सकता।

अक्सर अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणिओं की शिकार होती महिलाएं

ललित गर्ग

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बन कर भी उभर रहा है।

इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मर्यादा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया हैं। इन नेताओं के बयान से भारी जनाक्रोश पैदा हो गया।

इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अंदर एवं बाहर, दोनों मोचरे पर घिरती हुई नजर आ रही है। इस मामले में पार्टी के अंदर गुटबाजी सामने आई है, वहीं भाजपा आक्रमक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा टीएमसी ने अपनी पार्टी के नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इनके बयान में स्त्री–द्वेष पार्टी लाइन से परे है। यह बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही हैं।

अक्सर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणिओं की शिकार होती हैं। ऐसे बयानों के बावजूद ऐसे नेता कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फटकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नजर आते हैं, तो कभी रेप जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते नजर आते हैं। इसके साथ ही यह चिंताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना नेताओं के लिए सामान्य बात है।

जहां देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि समाज, व्यवस्था और सोच के लिए आइना भी बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिर को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है।

पीड़िता एक लॉ कॉलेज में छात्रा थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ रेप किया। पुलिस ने कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्मइ नहीं, 'राष्ट्रीय आपदाइ माना जाए और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी। सबसे दुखद यह है कि ऐसी घटनाओं में सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। उनकी पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब जन–प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। 2017 में ब्रिटेन के एक पार्षद बयान पर खासा बवाल मचा था। पार्षद ने सांसद का चुनाव लड़ रही गर्भवती महिला के बारे में कह दिया था, 'वो गर्भवती हैं, और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा आम लोगों की आवाज क्या उठाएंगी? इस पर पार्षद को माफी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अक्सर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था, 'महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमजोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैंइ इसके बाद उन्हें निलंबित करके उनका भत्ता रोक दिया गया था।

एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं रोशनी वालिया

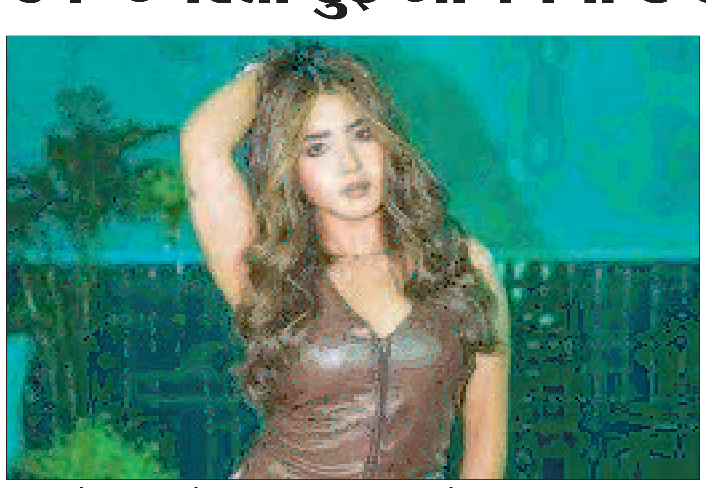

अभिनेता अजय देवगन जल्द ही फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान विजय कुमार अरोड़ा ने संभाली है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। सन ऑफ सरदार 2 में मृणाल ठाकुर, नीरू बाजवा, संजय दत्त और रवि किशन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। अभिनेत्री रोशनी वालिया भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, जिनकी इस वक्त खूब चर्चा हो रही है। आइए जानें आखिर रोशनी हैं कौन।रोशनी वालिया बॉलीवुड की एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 20 सितंबर, 2001 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुआ था। 24 वर्षीय रोशनी वर्तमान में मुंबई में रहती हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई प्रयागराज से ही पूरी की है। हालांकि, उन्हें बचपन से ही अभिनय में रुचि थी, जिसके चलते उन्होंने मुंबई का रुख किया और विज्ञापनों में काम किया। रोशनी ने टीवी शो मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।रोशनी ने बालिका वधूः कच्ची उमर के पक्के रिश्ते, देवों के देव... महादेव, ये वादा रहा और भारत का वीर पुत्रः महाराणा प्रताप जैसे धारावाहिकों में भी काम किया है। वह वेब सीरीज नाम नमक निशान में नजर आ चुकी हैं। रोशनी ने कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा की फिल्म फिरंगी में भी अभिनय किया है।

वामिका गब्बी ने कराया हॉट फोटोशूट, इंस्टाग्राम पर शेयर किया वीडियो

वामिका गब्बी ने सोशल मीडिया पर अपना नया बोल्ड फोटोशूट वीडियो शेयर कर फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं. लेवेंडर कलर की स्टाइलिश ड्रेस में वामिका बेहद ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट नजर आ रही हैं. इस वीडियो को शेयर करते हुए वामिका ने सिर्फ एक पिंक हार्ट इमोजी कैप्शन में लिखा, लेकिन फैंस ने कमेंट सेक्शन को फायर इमोजीज़ और तारीफों से भर दिया है.

तमन्ना भाटिया से लेकर कई फैन्स ने वामिका के इस हॉट अवतार की जमकर तारीफ की है. किसी ने उन्हें 'स्टनिंगइ कहा तो किसी ने 'गॉर्जियसइ लिखकर दिल का हाल बयां किया. वीडियो पर कुछ ही घंटों में लाखों लाइक्स आ चुके हैं, जो उनके पॉपुलैरिटी को साफ तौर पर दिखाते हैं.

साउथ अफ्रीका ने जीत के साथ किया ट्राई सीरीज का आगाज

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच टी20क ट्राई सीरीज का आज से आगाज हुआ। पहले मैच में जिम्बाब्वे का सामना साउथ अफ्रीका से हुआ। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए इस मैच में साउथ अफ्रीका ने 5 विकेट से जीत दर्ज की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे ने कप्तान सिकंदर रजा के अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 141 रन बनाए थे। जवाब में साउथ अफ्रीका ने 16 ओवर में ही 5 विकट खोकर टारगेट चेज कर लिया।पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही और 8 के स्कोर पर टीम को पहला झटका लगा। वेस्ली माधेवेरे 1 के स्कोर पर हिट विकेट हुए। ब्रायन बेनेट और क्लाइव मदांडे के बीच 31 रन की पार्टनरशिप जरूर हुई। क्लाइव मदांडे ने 8 और ब्रायन बेनेट ने 30 रन बनाए। कप्तान रजा ने रयान बर्ल के साथ चौथे विकेट के लिए 66 रन जोड़े। रयान 29 के स्कोर पर कैच आउट हो गए। इसके बाद ताशिंगा मुसेकिवा ने 9 रन बनाए। रजा 38 गेंदों पर 54 न बनाकर नाबाद रहे। जॉर्ज लिंडे के खाते में 3 विकेट आए। 142 रन चेज करने उतरी साउथ अफ्रीका को पहली ही गेंद पर झटका लगा। रिचर्ड नगारावा ने लुआन–ड्रे प्रीटोरियस को कॉट एंड बोल ड किया। तीसरे ओवर में रीजा हेंड्रिक्स को नगारावा ने बोल्ड किया। रीजा ने 9 गेंदों पर 11 रन की पारी खेली। कप्तान रासी वैन डेर डुसेन 16 के स्कोर पर रियान को कैच थमा बैठे। इसके बाद डेवाल्ड ब्रेविस ने 17 गेंदों पर 41 रन की तूफानी पारी खेलकर रन गति को बढ़ाया। रुबिन हरमन ने 37 गेंदों पर 45 रन बनाए। कॉर्बिन बॉश 23 और जॉर्ज लिंडे 3 रन बनाकर नाबाद रहे।

मुझे टाइपकास्ट होने का डर नहीं : कविता बनर्जी

अभिनेत्री कविता बनर्जी, जो इस समय टीवी शो दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी में कर्ण मोहिनी के रूप में नजर आ रही हैं, उन्होंने बताया कि उन्हें विलेन के रूप में टाइपकास्ट होने का डर नहीं है।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें विलेन का रोल अदा करना काफी चुनौतीपूर्ण लगता है। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, अगर आपने भारतीय टीवी को देखा है, तो आप जानते होंगे कि एक्टर्स को कितनी जल्दी एक खास इमेज दे दी जाती है। अगर आप दो शो में लगातार विलेन का रोल निभा चुके हैं, तो लोग आपको विलेन एक्टर कहने लगते हैं।

कविता ने कहा कि अगर आप पॉजिटिव से निगेटिव रोल में जाते हैं, तो यह टैग इतना नहीं लगता। लेकिन अगर आप अपने करियर की शुरुआत नेगेटिव किरदारों से करते हैं, तो लोग आपको एक विलेन एक्टर कहने लगते हैं।

अभिनेत्री ने शो में अपने किरदार पर बात करते हुए बताया कि उनका कर्ण मोहिनी सिर्फ एक सामान्य विलेन का रोल नहीं है, वह एक बड़ा, भव्य और शक्तिशाली किरदार है।

जैनिक सिनर ने कार्लोस अल्काराज को हराकर जीता पहला विंबलडन खिताब

–हासिल किया अपना चौथा ग्रैंड स्लैम

लंदन,जैनिक सिनर ने कालौस अल्काराज को विंबलडन 2025 मेंस सिंगल्स के फाइनल में हराकर अपना पहला विंबलडन खिताब जीत लिया है. इसके साथ ही ये जैनिक सिनर का चौथा ग्रैंड स्लैम है. सिनर से अल्काराज को फाइनल में 4–6,6–4,6–4,6–4 से हराया और लगातार तीन सेट जीतकर खिताब पर कब्जा किया. विंबलडन 2025 के फाइनल में इतालवी प्लेयर जैनिक सिनर को स्पेनिश प्लेयर कालौस अल्काराज के हाथों पहले सेट में 4–6 से हार का सामना करना पड़ा, इसके बाद सिनर ने धमाकेदार वापसी की और मैच में अल्काराज को वापस आने का मौका ही नहीं दिया. इस पूरे मैच में पहले सेट को छोड़ दें तो सिनर अल्काराज पर हावी रहे.सिनर ने दूसरे सेट को 6–4, तीसरे सेट को 6–4 और चौथे सेट 6–4 से जीतकर विंबलडन का खिताब अपने नाम कर लिया. इसके साथ ही फ्रेंच ओपन के फाइनल में अल्काराज से मिली हार का बदला भी सिनर ने विंबलडन में उन्हें हराकर चुका लिया है. इस मैच को जीतने के बाद सिनर सीधे स्टैंड में पहुंचे और अपने कोच व परिवार के लोगों से जाकर गले मिले. इस जीत के बाद ये इटालियन प्लेयर काफी भावुक भी नजर आया.

इसके साथ ही सिनर चैंपियनशिप में एकल ट्रॉफी जीतने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन गए. 23 वर्षीय विश्व नंबर 1 खिलाड़ी ने सेंटर कोर्ट पर स्पेनिश खिलाड़ी के खिलाफ लगातार पांच मैचों की हार का सिलसिला भी तोड़ दिया. अब सिनर पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में 3,430 अंकों की शानदार बढ़त के साथ लंदन से विदा लेंगे.

एक नजर

युवाओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अम्बेडकर मंच की ओर से सिमलचौड़ स्थित ए टू जैड सॉल्यूशन केंद्र में रविवार को शिक्षित युवा बेरोजगारों के लिए कॅरियर काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। काउंसिलिंग में युवाओं को बेहतर कैरियर बनाने पर जानकारी दी गई। काउंसिलिंग का आरंभ मुख्य अतिथि एल आर एस वर्ल्ड कॉलेज मुरादाबाद के पुस्तकालय विभागाध्यक्ष कृष्ण कुमार ने किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में विशेष शिक्षकों का उपलब्ध न होना चिंता का विषय है इसके लिए नवयुवकों को विशेष शिक्षा में अपना भविष्य बनाना चाहिए। वहीं युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर भी सरकारी नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। मंच संरक्षक प्रमोद कुमार चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयो को बड़ी संख्या में मर्ज किया जा रहा है। इसके लिए भी विशेष शिक्षकों की नियुक्तियां की जानी है, इसलिए इस ओर भी युवाओं को ध्यान देना चाहिए। कहा कि युवाओं को समाचार पत्रों का लगातार अध्ययन करते रहना चाहिए ताकि सरकारी नौकरियों संबधी जानकारी से वे अपडेट रहें। इस दौरान डॉ. सुरेन्द्र लाल आर्य, मंच उपाध्यक्ष प्रशांत कुमार चौधरी, गीता चौधरी, डॉ. कमलेश कुमार, राकेश चंदोला, विपिन कुमार व नरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव के पहले चरण के लिए बांटे चुनाव चिन्ह

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पंचायत चुनावों को लेकर पहले चरण के मतदान को लेकर सोमवार को प्रत्याशियों को चुनाव चिह्नों का आवंटन का काम शुरू हो गया। पौड़ी जिले में दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण के लिए 24 जुलाई और दूसरे चरण के लिए 28 जुलाई को मतदान होगा।

सोमवार को जिला पंचायत सदस्य के लिए पौड़ी मुख्यालय तो ग्राम पंचायत सदस्य से लेकर ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्यों के लिए चुनाव चिह्नों बांटे गए। जिले में पहले चरण में जिन ब्लाकों में चुनाव होगा उसमें खिर्सू, पाबौ, थलीसैंण, नैनीडांडा, बीरोंखाल, एकेश्वर, रिखणीखाल और पोखड़ा ब्लाक में शामिल है। इन ब्लॉकों की सीटों से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों ने सोमवार को पौड़ी मुख्यालय से अपने चुनाव चिह्न लिए। इसके साथ ही प्रत्याशियों ने रैलियों से लेकर चुनाव दफ्तर खोलने को लेकर भी आरओ से अनुमति ली। जिला पंचायत सदस्य के आरओ डॉ. विकेश यादव ने बताया कि पहले चरण के लिए चुनाव चिह्नों का आवंटन शुरू हो गया है। इससे पहले दो बजे तक चुनाव चिह्नों के आवंटन पर रोक भी रही। बाद में आयोग के निर्देश मिलने पर यह प्रक्रिया शुरू की गई। आरओ के मुताबिक चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी प्रचार संबंधी अनुमति भी मांग रहे है। इसको लेकर प्रक्रिया के तहत उन्हें अनुमतियां दी जाएगी।

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नो सेल्फी जोन के बोर्ड लगाए

नई टिहरी : डीएम नितिका खंडेलवाल और एसएसपी आयुष अग्रवाल के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने नगर क्षेत्र में कई स्थानों पर नो सेल्फी जोन के साइन बोर्ड लगाए हैं। इन स्थानों पर अक्सर लोग सेल्फी खींचने जाते हैं, लेकिन एक छोटी से गलती कई बार लोगों की जान पर भारी पड़ जाती है। कोतवाली निरीक्षक अजय जाटव ने बताया कि पर्यटन नगरी नई टिहरी सहित थाना क्षेत्र में आकस्मिक दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नो सेल्फी जोन के साइन बोर्ड लगाए हैं। नगर के प्रवेश द्वार डाइजर, सुरसिंगधार के बीच, नई टिहरी व्यू प्वाइंट, छमुंड व्यू प्वाइंट, भागीरथीपुरम लेक व्यू प्वाइंट, डोबरा-चांठी लेक व्यू प्वाइंट और टिहरी डैम व्यू प्वाइंट पर यह बोर्ड लगाए हैं। बताया कि पहाड़ों में कई बार रोमांच के लिए लोग ऐसे स्थानों पर सेल्फी लेने को जाते हैं। जिससे वह दुर्घटनाओं का शिकार भी हो जाते हैं। (एजेंसी)

मकान के ऊपर गिरा पेड़, हादसा टला

चमोली : लंगासू के बणसोली गांव में सोमवार को एक मकान में आम का सूखा पेड़ गिर गया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। पेड़ गिरने से मकान को नुकसान हुआ है। लंगासू के पूर्व व्यापार संघ अध्यक्ष कैलाश खंडूड़ी ने बताया कि उनके गांव बणसोली में सोमवार सुबह करीब साढ़े चार बजे सुशील खंडूड़ी की मकान के ऊपर बड़ा आम का पेड़ गिरा। उस समय घर में परिवार के लोग सो रखे थे। जैसे ही पेड़ मकान के ऊपर टूटकर गिरा तो सुशील, सरिता व बच्चे घर से बाहर आ गए। कैलाश ने कहा कि शुशील के मकान को नुकसान हुआ है। पटवारी को सूचना दे दी गई है।

शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़, हर-हर महादेव के लगे जयघोष

भगवान शिव को जल अर्पित करते श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सावन माह में भक्त भगवान शिव की भक्ति में मग्न होने लगे हैं। प्रथम सोमवार को देवालयों में जलाभिषेक करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। इस दौरान भक्त जन हर-हर महादेव व बम-बम भोले के जयघोष भी लगा रहे थे।

मैदानी क्षेत्रों में सावन माह की शुरुआत हो गई है। इसको लेकर भक्तों में काफी उत्साह बना हुआ है। यही कारण था कि सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त से ही शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही थी। कई देवालयों में जलाभिषेक के लिए भक्तों की लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई थी। सबसे अधिक भीड़ घराट मंदिर, बालाजी मंदिर, देवी रोड, सिद्धबली मंदिर सहित अन्य देवालयों में उमड़ी हुई थी। कई भक्त नंगे पैर हाथों में जल लिए घर से देवालय तक पहुंच रहे थे। सावन को लेकर मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया था। जलाभिषेक करने वालों में सबसे अधिक संख्या महिलाओं की थी। दोपहर तक मंदिरों में भक्तों की भीड़ देखने को मिली। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए मंदिर समितियों को भी पसीना बहाना पड़ा।

उपनल व पीआरडी कर्मियों को पांच माह से नही मिला वेतन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उपनल व पीआरडी के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग में तैनात कर्मियों को पिछले पांच माह से वेतन नहीं मिला है। ऐसे में कर्मचारियों के परिवारों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जबकि, लगातार स्वास्थ्य कर्मी वेतन बहाली की मांग उठा रहे हैं।

कर्मचारियों ने समस्या को लेकर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण को ज्ञापन दिया। कहा कि वह पूरी जिम्मेदारी से अपने कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। लेकिन, पिछले पांच माह से उन्हें वेतन उपलब्ध नही करवाया गया है। ऐसे में परिवार की आर्थिक चलाना भी एक चुनौती बन गई है। स्कूल में बच्चों की फीस भी समय पर जमा नहीं हो पा रही है। सबसे अधिक परेशानी किराए के कमरों में रहने वाले कर्मियों को हो रही है। कहा कि उपनल व पीआरडी कर्मियों का नवीनीकरण भी अब तक नहीं हुआ है। इस संबंध में कई बार मुख्य चिकित्साधिकारी पौड़ी सहित अन्य उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है। कहा कि स्वास्थ्य कर्मी अपनी समस्या स्वास्थ्य सचिव महानिदेशालय तक भी पहुंचा चुके हैं। लेकिन, स्थिति को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। इस मौके पर दीपा रावत, निर्मला, मौसमी देवी, अमित कुमार, नीलिमा नेगी, अनिल शर्मा आदि मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव में हो रही थी शराब की तस्करी

कोतवाली पुलिस की हिरासत में शराब के साथ पकड़े गए आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पंचायत चुनाव में हो रही शराब की तस्करी को लेकर कोतवाली पुलिस ने सख्ती दिखाना शुरु कर दिया है। सोमवार को पुलिस ने नौ पेटी अंग्रेजी शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उस वाहन को भी सीज कर दिया, जिससे शराब की तस्करी की जा रही थी।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि सोमवार को कोतवाली पुलिस गश्त कर रही थी। इसी दौरान सड़क किनारे एक वाहन दिखाई दिया। बताया कि जब वाहन में सवार व्यक्तियों से पूछताछ की गई तो वह गोल-मोल जवाब देने तले। तलाशी के दौरान वाहन से नौ पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हो गई। बताया कि मामले में झूलापुल-गाड़ीघाट निवासी मोनू उर्फ गौरव गुप्ता, काशीरामपुर तल्ला निवासी आशीष शर्मा व खूनीबड़ निवासी जितेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब को वह पंचायत चुनाव में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए ले जा रहे थे।

बाल भारती ने जीता फुटबॉल का फाइनल मुकाबला

कोटद्वार के यूनिकस अकेडमी में आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता का फाइनल जीतने वाली टीम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : यूनिकस अकेडमी में चल रहे फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन हो गया है। इस दौरान फाइनल मुकाबला बाल भारती स्कूल के नाम रहा। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में 28 से अधिक टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का सेमीफाइनल मुकाबला बलूनी पब्लिक स्कूल व बाल भारती के बीच खेला गया। जिसमें पांच गोल से बाल भारती विजयी रहा। दूसरा सेमीफाइनल में सेंट जोसफ कावेंट स्कूल ने हेरीटेज को 6-01 से हराया। इसके उपरांत रविवार दोपहर करीब 12 बजे प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला गया। जिसमें बाल भारती स्कूल ने शुरु में ही 2-0 से बढ़त बना दी थी। लेकिन, हाफ टाइम के बाद कावेंट स्कूल ने जबरदस्त वापसी करते हुए अर्नव व स्वस्तिक के गोल की बदौलत दो गोल बराबर कर दिए। मैच के अंतिम क्षणों में बाल भारती की ओर से सौरभ पटवाल व अभिराज रावत ने निर्णायक गोल दागकर 4-2 से प्रतियोगिता बाल भारती के नाम की। मुख्य अतिथि पिनाकी सेन, राहुल, कमल राय, अंतरराष्ट्रीय फुटबाल कोच सुनील रावत ने प्रतियोगिता के अव्वल खिलाड़ियों को सम्मानित किया। बाल भारती के सौरभ पटवाल को प्रतियोगिता में आठ गोल दागने के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही गोल्डन बाल का खिताब ओम को मिला, जबकि कांवेट के मो. साद को बेस्ट खिलाड़ी का खिताब दिया गया। इस मौके पर सरोजनी रावत, लक्ष्मी रावत, हिमानी रावत, यामिनी रावत आदि मौजूद रहे।

व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला कांग्रेस कमेटी ने नगर आयुक्त से मुलाकात करते हुए शहर की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग उठाई। कहा कि यदि जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो कांग्रेस आंदोलन को मजबूर होगी। कांग्रेस नेता रंजना रावत के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने नगर आयुक्त पीएल शाह से मुलाकात की। कहा कि शहर में सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। वर्षा के दौरान जलभराव न हो इस पर भी गंभीरता से ध्यान दिया जाएं। कहा कि कांग्रेस जनता के बीच जाकर समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद करती रहेगी। इस मौके पर लक्ष्मी चौहान, शीला भारती, प्रेम सिंह पयाल, रमेश चंद्र, बलवीर सिंह रावत, अमित राज, दलीप सिंह रावत, भारत सिंह नेगी, प्रदीप नेगी, कृपाल सिंह नेगी, विनोद नेगी, विनोद रावत, राजा आर्य, त्रिभुवन सिंह, मनवर सिंह आदि मौजूद रहे।

कर्तव्यों का निर्वहन पूरी सतर्कता व जिम्मेदारी से करें

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर सोमवार को पौड़ी में पोलिंग अधिकारियों और पीठासीन अधिकारियों को ट्रेनिंग प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण नोडल अधिकारी दीपक रावत ने कहा कि हर मतदान अधिकारी की जिम्मेदारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता व पारदर्शिता बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। वोटिंग के दिन सभी अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी सतर्कता व जिम्मेदारी से करें।

प्रशिक्षण नोडल अधिकारी दीपक रावत ने कार्मिकों को मतदान की प्रक्रिया से लेकर वोटरों से व्यवहार, पहचान पत्रों की जांच, वोटिंग के समापन के बाद मतपेटिका को सुरक्षित रूप से स्ट्रांग रूम तक पहुंचाने सहित जमा करने के नियमों की बारे में बताया। इसके साथ ही मतदान कार्मिकों को मतपेटिका को खोलना व बंद करने को लेकर विस्तार से बताया गया। इस दौरान 910 कार्मिकों ने मतदान प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण लिया। इस मौके पर डीईओ माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी, प्राचार्य डायट स्वराज सिंह तोमर आदि भी मौजूद रहे।

राहुल देव अध्यक्ष तो प्रमोद गौड़ बनें सचिव

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : बेरोजगार डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में राहुल देव को अध्यक्ष व प्रमोद गौड़ को सचिव चुना गया। इस दौरान बेरोजगार फार्मासिस्टों ने वेलनेस सेंटरों में नियुक्ति की मांग उठाई।

कार्यकारिणी में रमेश रावत को महामंत्री, संगीता धस्माना को उपाध्यक्ष, रूचि गौड़ को सहसचिव, संतोष शाह को कोषाध्यक्ष, नवीन चौहान को मीडिया प्रभारी व संदीप सिंह रावत को प्रभारी बनाया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने बेरोजगार डिप्लोमा फार्मासिस्टों की समस्याएं जल्द हल करना प्राथमिकता बताया। इस दौरान बेरोजगार फार्मासिस्टों ने कहा कि वर्तमान में 25 हजार बेरोजगार एलोपैथिक फार्मासिस्ट है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से जल्द ही वेलनेस सेंटरों में नियुक्ति की मांग की है।

रामबाड़ा में स्पान सेतु से आवाजाही शुरू

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ यात्रा के अहम स्थान रामबाड़ा में डीडीएमए लोनिवि ने 48 मीटर स्पान सेतु का निर्माण कार्य पूरा करा दिया है। इस पुल में आवाजाही भी शुरू कर दी गई है। इससे रामबाड़ा में आने-जाने के लिए स्थायी समाधान मिल गया है। केदारनाथ धाम की यात्रा पर आ रहे तीर्थयात्रियों को रामबाड़ा में अब पुल से संबंधित किसी तरह की दिक्कतें नहीं उठानी पड़ेगी। उफनती मंदाकिनी नदी के ऊपर डीडीएमए लोनिवि ने 48 मीटर स्पान का नया पुल तैयार कर लिया है। रामबाड़ा में वर्ष 2013 की आपदा में सबकुछ ध्वस्त हो गया था, जिसके बाद यहां आवाजाही के लिए कई बार अस्थायी पुल बनाए गए, किंतु नदी के कटाव के चलते यहां पुल सुरक्षित नहीं रहे। जबकि कई बार दुर्घटनाओं की भी संभावना बनी रही। लोनिवि द्वारा इस नए और फोल्डिंग सेतु बनने से यात्रियों को बड़ी राहत मिल गई है। रामबाड़ा में आपदा के दौरान पूर्व में दोनों अस्थायी सेतु बह जाने से करीब दो माह तक यात्रा बाधित रही थी। तत्कालीन समाधान के रूप में 18 मीटर का एक फोल्डिंग सेतु लगाया गया था, किंतु नदी के बढ़ते कटाव और क्षेत्र की भौगोलिक जटिलताओं को देखते हुए एक बड़े स्पान के पुल की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। डीएमए के अधिशासी अभियंता विनय झिक्वाण ने बताया कि स्टेट डिजास्टर रिलीफ फंड (एसडीआरएफ) मद में 48 मीटर स्पान वाले फोल्डिंग सेतु की स्वीकृति बीते साल मिली थी, जिसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। इस नए पुल बनने से रामबाड़ा-भीमबली क्षेत्र में यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। यात्रा मार्ग पर घोड़े-खच्चर, पालकी और पैदल श्रद्धालुओं को अक्सर जाम जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता था, जो अब काफी हद तक दूर हो सकेगी। (एजेंसी)

गोपीनाथ मंदिर के शीर्ष पर किया कलश पुनर्स्थापित

चमोली : सावन के प्रथम सोमवार पर प्रसिद्ध शिव मंदिर गोपेश्वर गोपीनाथ मंदिर के शीर्ष पर कलश पुनर्स्थापना अनुष्ठान का आयोजन किया गया। धार्मिक मान्यताओं और विधि विधान से मंदिर के शीर्ष पर दिव्य कलश स्थापित किया गया। बता दें भारतीय पुरातत्व विभाग गोपेश्वर गोपीनाथ मंदिर के छत्र भाग का जीर्णोद्धार कर रहा है। छत्र पर साल की नक्काशी दार लकड़ी और तांबे की प्लेट छत्र शीट लगाने का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के लिए सुरक्षा की दृष्टि से कुछ दिनों के लिए कलश निकाला गया था। सावन के प्रथम सोमवार के पुण्य और पवित्र पर्व पर मंदिर के शीर्ष पर कलश की पुनर्स्थापना विधि विधान के साथ की गई। इस अवसर पर रुद्रनाथ गोपीनाथ मंदिर प्रबंधन समिति के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। गोपीनाथ मंदिर में मंदिर समिति ने विशेष पूजा अर्चना की।

शिविर में संस्कृत बोलने के गुर सीख रहे विद्यार्थी

आयोजित शिविर में मौजूद विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : संस्कृत भारती के सहयोग से परमार्थ वैदिक गुरुकुल, कण्वाश्रम में सोमवार से दस दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर आरंभ हो गया है। छात्रों को सरल पद्धति से संस्कृत सिखाने के उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

शिविर का आरंभ करते हुए सेनि. प्रधानाचार्य रमाकांत कुकरेती ने कहा कि संस्कृत ऐसी भाषा है जिसे भारत के ऋषियों ने अपने विचारों को सटीक तरीके से संप्रेषित करने के साधन के रूप में विकसित किया था। संस्कृत वेदों, उपनिषदों और भागवत गीता सहित कई महान कार्यों की भाषा रही है। आज भी हिंदू धर्म के यज्ञ और अनुष्ठान संस्कृत भाषा में ही संपन्न होते हैं। तत्पश्चात गुरुकुल के संस्कृत शिक्षक डा. कुलदीप मैंदोला ने मम नाम, भवतः नाम किम्ह्ल जैसे सरल वार्तालाप आधारित वाक्यों के माध्यम से छात्रों को संस्कृत सिखाई। इस दौरान वैदिक गुरुकुल के प्राचार्य संजय रावत, श्वेता रावत, प्रशांत कुमार, सिद्धार्थ नैथानी और सुदीप देवलियाल सहित सभी छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

शिविर में 55 पशुपालकों ने ली पशुधन संबंधी जानकारी

भाबर के झंडीचौड़ में पशुपालन विभाग की ओर से आयोजित किया गया जागरूकता शिविर

पशुपालन विभाग के अधिकारी शिविर में पशुपालकों को जानकारी देते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : भाबर के रामलीला मैदान झंडीचौड़ में पशुचिकित्सालय कलालघाटी ने संकल्प फाउंडेशन के सहयोग से जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर करीब 55 पशुपालकों ने शिविर में पहुंचकर पशुओं संबंधी जानकारी प्राप्त करने की साथ ही पशुओं का उपचार कराया। शिविर में पशुपालकों को पशुओं के लिए दवाइयां भी वितरित की गई। इस दौरान बरसात में पशुओं में होने वाले रोगों व उनके बचाव के बारे में भी पशुपालकों को जागरूक किया गया।

पार्षद रजनीश बेबनी की अध्यक्षता में हुए शिविर में चिकित्साधिकारी डॉ. के सुबोध रंजन ने पशुपालकों को पशुधन से अधिक से अधिक लाभ लेने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। उन्होंने शिविर में संतुलित आहार की कमी के कारण पशुओं में होने वाले रोगों के बारे में जानकारी देते हुए पशुपालकों को खनिज-मिश्रण व कृमिनाशक दवाएं वितरित की गई।

इस दौरान पशु चिकित्सक ने बांझ पशुओं के कारण होने वाले आर्थिक नुकसान और इससे बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। पशुओं में होने वाले गलघोटू, मुंह-खुर, फडकिया रोग, पीपीआर, माता रोग व अन्य बीमारियों के लक्षण, इनके बचाव संबंधी उपाय तथा उपचार के बारे में पशुपालकों को जागरूक किया गया।

चिकित्सकों ने बताया कि पशुओं में होने वाली बीमारियों का निःशुल्क उपचार पशुपालन विभाग द्वारा किया जाता है। पशुओं में किसी प्रकार की बीमारी आने की स्थिति में पशुपालकों को सीधा पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने वर्षा ऋतु में पशुओं का विशेष ध्यान रखने की सलाह पशुपालकों को दी। इस अवसर पर संकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह रावत, फार्मासिस्ट सतीश चंद्र आर्य, हिमांशु शाह, प्रियांशु कुमार, आकांशा रावत, विशाल माने, छोटे सिंह, ओम प्रकाश, नैन सिंह आदि मौजूद रहे।

जेसीबी की बकेट से कराया महिला को गधेरा पार

रुद्रप्रयाग : पहाड़ में बारिश के चलते कई सड़कें क्षतिग्रस्त हैं तो कई सड़कों के बीच में बरसाती गधेरे बह रहे हैं जिसे पार करना किसी बड़े जोखिम से कम नहीं है। जखोली के स्यूंर बांगर क्षेत्र में भी उफनते गधेरे को पार करने के लिए एक महिला को जेसीबी की बकेट में खड़ा चालक ने गधेरा पार कराया। अब, इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, लगातार हो रही बारिश के चलते वीरों बैंड से स्यूंर मोटर मार्ग पर स्यूंर गधेरा उफान पर आ रहा है। ऐसे में यहां पैदल चलना तो दूर वाहन चलाना भी किसी बड़े जोखिम से कम नहीं है। सोमवार को एक महिला इस स्थान से गुजर रही थी तो गधेरा देख वह डर गई। इस बीच सड़क मार्ग पर मलबा हटाने के लिए पहुंचे जेसीबी चालक ने महिला की मदद की। महिला को जेसीबी के बकेट में खड़ा किया और फिर उफनते गधेरे को पार कराया। महिला ने चालक का आभार जताया। बता दें कि इस तरह की कई सड़कें हैं जिनमें बरसाती गधेरा सड़क पर बह रहा है जिससे वाहनों के साथ ही पैदल चलने वालों के लिए मुश्किलें हो रही हैं।

चांई एवं थैंग के ग्रामीणों ने काम में बाधा डालने का लगाया आरोप

चमोली : सिखों के तीर्थ श्री हेमकुंड साहब के लिए गोविन्दघाट से घांगरिया और हेमकुंड तक 19 किमी. के पैदल मार्ग में घोड़ा खच्चर के माध्यम से यात्रियों को लाने ले जाने वाले चांई एवं थैंग के ग्रामीणों ने काम में बाधा डालने का आरोप लगाया है। सोमवार को एसडीएम जोशीमठ चन्द्र शेखर बशिष्ठ से मुलाकात कर उन्होंने घांगरिया में एक नव गठित खच्चर यूनियन के लोगों और कुछ स्थानीय लोगों पर यह आरोप लगाया है। ज्ञापन देने वाले लोगों ने कहा कि पिछले 10 दिनों से उनके 200 से अधिक घोडे खच्चर घांगरिया में हैं, लेकिन उन्हें काम नहीं करने दिया जा रहा है। थैंग निवासी धन सिंह नेगी, अमरनाथ पंवार, गिरीश पंवार ने कहा कि पुलना भ्यूंडार गांव के लोगों ने घांगरिया में एक नई खच्चर यूनियन बनाई है। नवगठित खच्चर यूनियन कह रही है कि चांई व थैंग के लोग उनकी घाटी के नहीं हैं, इसलिए वे लोग घांगरिया से हेमकुंड तक 5 किमी के मार्ग में घोड़े खच्चर से तीर्थ यात्रियों को लाने ले जाने का कार्य नहीं करेंगे। लोगों ने एसडीएम को बताया कि नवगठित खच्चर यूनियन का आदेश है कि चांई व थैंग के लोग मात्र गोविन्दघाट से घांगरिया तक 11 किमी में ही अपने घोडे खच्चरों से यात्रियों को लाने ले जाने का कार्य करेगी। धन सिंह नेगी ने बताया कि गोविन्दघाट से घांगरिया तक 11 किमी का घोडे खच्चर का किराया 1900 रुपये है, जबकि घांगरिया से हेमकुंड तक के 5 किमी पैदल मार्ग में घोडे खच्चर का किराया दो हजार रुपये है। आरोप लगाया कि घांगरिया में कुछ लोग चांई व थैंग के लोगों को घोडे खच्चर का चारा भी बाहर से नहीं खरीदने दे रहे हैं। जोशीमठ बाजार में जो चारा 700 रुपये में मिलता है, वह मजबूरन चांई व थैंग के लोगों को घांगरिया के स्थानीय लोगों से 1210 रुपये में खरीदना पडता है। वहीं एसडीएम जोशीमठ चन्द्र शेखर बशिष्ठ ने लोगों को आश्वस्थ किया कि जल्द घांगरिया के लोगों व चांई थैंग के ग्रामीणों के बीच वे बैठक कर समाधान निकालेंगे।

मौसमी बीमारियों से अस्पतालों में बढ़ी भीड़

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला अस्पताल में मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। सोमवार को अस्पताल में लगभग 500 ओपीडी पहुंची है। लोग विशेषज्ञ चिकित्सकों से उपचार पाने के लिए सुबह से ही लाइन में लगकर बारी का इंतजार करते रहे। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बीमार होने से बचने के लिए उबला पानी पीने, ताजा खाना खाने व फास्टफूड से दूरी बनाए रखने की सलाह दी है।

सोमवार को जिला अस्पताल में आसपास के इलाकों से बुखार, जुखाम, पेट, सिर, बदन दर्द आदि से पीड़ितों की भारी भीड़ रही। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक अस्पताल की ओपीडी 500 की पार रही जो सामान्य दिनों से करीब दो गुनी है।

फिजिशियन डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि इन दिनों दूषित पानी पीने से लोग बीमार पड़ रहे हैं, जिनमें बच्चे, बुजुर्ग व महिलाएं शामिल हैं। बताया कि अधिकांश में मौसमी बुखार की शिकायत देखने को मिली है। हालांकि मौसमी बीमारियां इन दिनों संक्रमण के चलते भी अधिक हो रही है। वहीं कुछ मरीजों में टायफाइड के लक्षण भी मिले हैं। बरसाती मौसम में दूषित पानी पीने से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि खानपान में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, बासी भोजन न खाये और फास्टफूड का सेवन न करें।

एनीमिया से निपटने को जनजागरूकता अभियान चलाएं

उत्तरकाशी : जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में एनीमिया उन्मूलन को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने एनीमिया से निपटने के लिए बहु-आयामी रणनीति तैयार करने और इसके तहत जिलेभर में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। डीएम ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों को एनीमिया के लक्षण, कारण और रोकथाम के उपायों की जानकारी देने पर जोर दिया। बैठक में डीएम ने जिले में एनीमिया की वर्तमान स्थिति की रिपोर्ट लेते हुए गर्भवती महिलाओं, किशोरियों, बच्चों और धात्री माताओं में एनीमिया की रोकथाम के लिए प्रभावी प्रयास सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने यह भी निर्देश दिए कि किसी भी गंभीर बीमारी से ग्रस्त छात्र को दवा देने से पहले उसका स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। साथ ही, सभी कार्यक्रमों की नियमित निगरानी और समयबद्ध रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में सीडीओ एसएल सेमवाल, एडीएम मुक्ता मिश्र, सीएमओ बीएस रावत और मुख्य शिक्षा अधिकारी अमित कोटियाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। (एजेंसी)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडेन्टिटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

ई–निविदा विस्तार सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार से आमन्त्रित ई–निविदा सं0 06/EDDK/25–26 से ई–निविदा सं0 08/EDDK/25–26 के निविदा प्रपत्र विक्रय करने की तिथि अपरिहार्य कारणवश 05.08.2025 को 10.00 बजे तक बढ़ायी जाती है तथा ई–निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की तिथि 05.08.2025 को 11.00 बजे तक स्वीकार की जायेगी एवं ई–निविदा प्रपत्र आनलाइन और ऑफलाइन निविदा भाग एक खुलने की तिथि 05.08.2025 एवं समय 15.30 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य शर्ते पूर्ववत है।

पत्रांक : 1463/विविखको/टी–6 दिनांक : 14.07.2025

अधिशासी अभियन्ता, वि0वि0 खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

संक्षिप्त समाचार

फरार चल रहे दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

चमोली : कर्णप्रयाग में एक माह पहले ज्वैलरी की दुकान में हुई चोरी की घटना में फरार चल रहे दो आरोपियों को चमोली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में चार आरोपियों को पुलिस ने पहले ही पकड़ लिया था। जिससे इस अंतरराज्यीय गिरोह के सभी छह सदस्य अब पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। थाने से मिली जानकारी के अनुसार कर्णप्रयाग में 12 जून को महादेव ज्वैलर्स से लगभग 1.25 लाख के गहनों की चोरी हुई थी। इस मामले में पहले ही चार आरोपियों को कोटद्वार से गिरफ्तार किया जा चुका था। मामले में फरार चल रहे 32 वर्षीय संजीव कुमार उर्फ सोनू ग्राम बाजावाला जिला यूएसनगर हाल मुरादाबाद और 40 वर्षीय सुनीता निवासी अब्दुल्लावाड़ा दक्षिणी बिलारी जिला मुरादाबाद तलाश में पुलिस दबिश दे रही थी। दोनों आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि एसपी सर्वेश पंवार के निर्देशन में चल रही सतत निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और स्थानीय मुखबिर तंत्र के सहयोग से यह सफलता प्राप्त हुई है।

एटीएम बंद होने से लोग परेशान

चमोली : ग्वालदम में एक बैंक द्वारा संचालित एटीएम पिछले 15 दिनों से बंद होने के कारण लोग परेशान हैं। लोगों ने सोमवार को ग्वालदम उद्योग व्यापार संघ द्वारा शाखा प्रबंधक को पत्र भेज कर एटीएम को ठीक करने की मांग की गई है। शाखा प्रबंधक को दिए पत्र में कहा गया है कि ग्वालदम जो कुमाऊं और गढ़वाल का केंद्र बिंदु है लगभग तीन दर्जन से अधिक गांव के लोग यहां अपने बैंकिंग कार्यों के लिए आते है, लेकिन पिछले 15 दिनों से यहां स्थित एटीएम खराब होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। जहां स्थानीय लोग परेशान है वही व्यापारी बंधुओ को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्वालदम उद्योग व्यापार संघ के अध्यक्ष अनिल नेगी और महामंत्री हरीश ने जल्द एटीएम को ठीक करने की मांग की है। (एजेंसी)

रुद्रप्रयाग में बीकेटीसी उपाध्यक्ष का कार्यालय शुरू

रुद्रप्रयाग : मुख्यालय स्थित नए बस अड्डे में बदरी-केदार मंदिर समिति के उपाध्यक्ष विजय कप्रवान के कार्यालय का सोमवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। पूजा-अर्चना के साथ बीकेटीसी उपाध्यक्ष का कार्यालय खोला गया। इससे तीर्थयात्रियों को अनेक जानकारियां प्राप्त करने के साथ ही बीकेटीसी से जुड़ी छोटी बड़ी समस्याओं के समाधान एवं यात्रा को लेकर अनेक जानकारियां भी हासिल करने को अवसर मिलेगा। कार्यालय शुभारंभ के दौरान रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कप्रवान को मिठाई खिलाकर बधाई दी। विधायक ने कहा कि मुख्यालय में कार्यालय खुलने से बीकेटीसी से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां संचालित करने में मदद मिलेगी। इस मौके पर बीकेटीसी उपाध्यक्ष ने कहा कि बदरी-केदार मंदिर समिति यात्रियों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहती है। कार्यालय खोलने का उद्देश्य भी जन सेवा के साथ तीर्थयात्रियों की सेवा करना है।

पुलिस ने 70 पेटी अवैध शराब पकड़ी

नई टिहरी : लम्बगांव थाना पुलिस ने दो घरों से 70 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। मामले में आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएसपी ने शराब की बड़ी खेप पकड़ने वाली पुलिस टीम को 10 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

लम्बगांव थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह रौतेला ने बताया कि बीती देर रात को ग्राम ग्वाड़ में दो घरों से 70 पेटियां अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। मामले में पुलिस ने आरोपी नीरज रावत पुत्र गोविन्द रावत निवासी ग्राम ग्वाड़ थाना लम्बगांव के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज किया है। (एजेंसी)

शिक्षा में एआई के उपयोग पर पक्ष–विपक्ष में बोले छात्र

देहरादून। फ्रैंक एंथोनी मेमोरियल ऑल इंडिया इंटर–स्कूल डिबेट प्रतियोगिता के प्रारंभिक दौर का आयोजन सोमवार को राजा राम मोहन राय एकेडमी में किया गया। जिसमें छात्रों ने शिक्षा में एआई विशेषाधिकार प्राप्त और वंचित छात्रों के बीच की खाई को बढ़ाएगा विशष पर अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि सनराइज एकेडमी कि प्रबंध निदेशक पूजा पोखरियाल, मंथन वेलफेयर सोसाइटी के सचिव मार्टिन पॉसन और प्रिंसिपल भारती विश्नोई ने दीप प्रज्जवलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

हरेला पर्व के पहले दिन 40 हजार से अधिक वृक्षारोपण का लक्ष्य

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत एक माह तक मनाया जाएगा हरेला पर्व

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देश पर जनपद रुद्रप्रयाग में इस वर्ष हरेला पर्व को धूमधाम और व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाया जाएगा। पर्व की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों की समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसमें हरेला महोत्सव के सफल आयोजन की रूपरेखा तय की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत जनपद में पहले दिन 40 हजार से अधिक पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने कहा कि जनपद में चिन्हित स्थानों पर विशेष रूप से फलदार पौधों का वृहत स्तर पर रोपण किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों को दीर्घकालीन लाभ भी प्राप्त हो सके। इस वर्ष हरेला पर्व 16 जुलाई से प्रारंभ होकर एक माह तक मनाया जाएगा। पर्व के तहत विद्यालय परिसरों, सार्वजनिक स्थानों, अस्पतालों, विभागीय परिसरों, नदियों के किनारे और नगर क्षेत्रों के पार्कों को पौधारोपण के लिए चयनित किया जाएगा। जनपद में इस कार्य के लिए एक समन्वय समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता स्वयं जिलाधिकारी कर रहे हैं। साथ ही, प्रभागीय वनाधिकारी को निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराने के लिए नोडल अधिकारी नामित किया गया है। वृक्षारोपण की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर एक जिला स्तरीय अधिकारी नामित किया गया है, जो संबंधित क्षेत्र में आने वाले सभी स्कूलों, विद्यालयों, अस्पताल केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं मतदान केंद्रों पर पौध पहुंच कराना सुनिश्चित करेंगे। श्री केदारनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग की विशिष्टता को देखते हुए निर्णय लिया गया है कि इस क्षेत्र में भी विशेष पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि हरेला पर्व जल एवं प्रकृति के संबंध को बेहतर बनाने एवं पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन के तहत निर्मित पानी की टंकियों के समीप भी वृक्षारोपण किया जाएगा। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी कल्याणी, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, उपजिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया, उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला, उपजिलाधिकारी रुद्रप्रयाग याक्षी अरोड़ा, जिला पंचायत राज अधिकारी प्रेम सिंह रावत, प्रभागीय अधिकारी जिला कार्यालय डी.एस. रौतेला सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कविता ने एशियन नेटबॉल स्पर्धा में जीता रजत पदक

देहरादून। पिथौरागढ़ निवासी कविता ने एशियन यूथ नेटबॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीता है।

उनकी सफलता पर खेल मंत्री रेखा आर्या समेत पूरे प्रदेशवासियों ने हर्ष जताया है। नेटबॉल फेडरेशन के सचिव सुरेंद्र कुमाई ने बताया कि कविता ने चार से आठ जून तक हॉन्गकॉन्ग के बाउहिनिया में आयोजित अंडर-21 एशियन यूथ नेटबॉल चैंपियनशिप में प्रतिभाग किया। कोरिया के जिओनजू में संपन्न हुई यूथ नेटबॉल चैंपियनशिप में भी उन्होंने भारतीय टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

कविता पिथौरागढ़ के मुनस्यारी क्षेत्र के दुरस्थ वलथी की रहने वाली है। उन्होंने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद हार नहीं मानी और देश के लिए पदक जीता। सोमवार को कविता ने देहरादून में खेल मंत्री रेखा आर्या से उनके आवास पर मुलाकात की।

1500 मीटर की दौड़ में सचिन और योगेश रहे अव्वल

ऋषिकेश। पुष्पा बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन 1500 मीटर की दौड़ का आयोजन किया गया। अंडर 17 वर्ग में सचिन रावत और अंडर 19 में योगेश यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सोमवार को ढालवाला स्थित पुष्पा बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन का शुभारंभ प्रधानाचार्य विजय बडोनी ने किया।

दूसरे दिन 1500 मीटर दौड़ के अंडर 17 वर्ग में सचिन रावत, पीयूष रव व संजय भंडारी, अंडर-19 में योगेश यादव, धीरज भंडारी व रोहित कुमार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कबड्डी अंडर 17 वर्ग में शिवांश पांजा, नितिन नेगी, आदित्य चौहान, मोहित नकोटी, अनूप कुड़ियाल अभिषेक राणा, आदित्य कुड़ियाल व राहुल कलूड़ा की टीम ने प्रथम, सुमित नेगी, रुद्राक्ष उनियाल अमन सकलानी, योगेश यादव, अभिनव रजपूत, पीयूष डबराल, मोहित रावत व धीरज भंडारी की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

कबड्डी अंडर 14 वर्ग नमन रावत, शुभम थपलियाल, अरमान, आरुष, नमन नेगी, शिवांश रावत, सूरज की टीम ने प्रथम, ईपभ, आयुष, कनिष्क, कुलविन, ऋषभ, दीपक और आयुष जोशी की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर शारीरिक शिक्षक दिनेश चंद्र सकलानी, वीरेंद्र किशोर गौड, अनीता भट्ट, नवनीश शर्मा, प्रभाकर भट्ट, सुनील कुमार राजपूत, विशन सिंह नेगी, आशीष चौहान, दिवे शंकर नैथानी, नरेश पुंडीर, जयेंद्र प्रसाद चमोली, कीर्ति दत्त नौटियाल, विपिन डोभाल, विवेक डोभाल, विनोद कठैत, शिवानी दास, कुलदीप सजवान, मयंक बिजल्वाण और ममता देवी आदि उपस्थित रहे।

एनएसयूआई ने किया सचिव से लेकर मंत्री तक के खिलाफ प्रदर्शन

देहरादून। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकि विवि के कुलपति डा. ओंकार सिंह और रजिस्ट्रार डा. वीके पटेल के खिलाफ कार्रवाई की मांग लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सोमवा को कांग्रेस भवन से घंटाघर तक रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने तकनीकी शिक्षा सचिव व लेकर तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल तक के खिलाफ प्रदर्शन किया। डीएवी के छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने आरोप लगाया कि शासन की प्रारंभिक जांच में विवि में साफ्टवेयर निर्माण में अनियमितता और फेल विद्यार्थियों को डिग्री देने के आरोप सही पाए गए थे। लेकिन आज तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन और सरकार स्तर से कार्रवाई नहीं की जा रही। वहीं सूत्रो से पता चला है कि कुलपति को जल्द दूसरा कार्यकाला भी देने की तैयारी है। जबकि उनका कार्यकाल 17 जुलाई को खत्म हो रहा है।

हाल में तकनीकी शिक्षा सचिव की जांच के दौरान विश्वविद्यालय में सॉफ्टवेयर विकास के नाम पर करोड़ों रुपये के घोटाले का खुलासा हुआ था। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने लखनऊ स्थित एक कंपनी के साथ अनुबंध करके एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग और यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम सॉफ्टवेयर का निर्माण कराया। विश्वविद्यालय में सॉफ्टवेयर विकास के नाम पर करोड़ों रुपये के घोटाले की जांच के लिए बीते 5 मई को पांच सदस्यीय कमेटी गठित किए जाने का निर्णय लिया गया।

उत्तराखंड का पहला एआई केंद्र बना रहा ग्राफिक एरा

देहरादून। ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय उत्तराखंड का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई) और हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग केंद्र बना रहा है। ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन डा. कमल घनशाला ने बताया कि 10 करोड़ से अधिक की लागत से विवि के सिल्वर जुबली कन्वेंशन सेंटर में केंद्र बनाया जा रहा है। यह केंद्र दुनिया की सबसे नई टेक्नालॉजी पर आधारित राज्य का पहला और देश के अग्रणी केंद्रों में से एक होगा। केंद्र में एनविडिया के नवीनतम आठ ब्लैकवेल जीपीयू और 1.74 टेराबाइट (टीबी) जीपीयू मेमोरी का समावेश किया गया है। यह तकनीक 72 पेटाफ्लॉप्स की इनफरेंस परफॉर्मेंस प्रदान करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि केंद्र उत्तराखंड और देश के युवाओं के लिए एक अभूतपूर्व अवसर है।

एवरेस्ट फतह करने वाले सूबेदार सुनील को सम्मानित किया

नई टिहरी : मई माह में दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी 'एवरेस्ट फतह करने वाले चमियाला निवासी गढ़वाल रायफल के सूबेदार सुनील सिंह का नगर पंचायत अध्यक्ष चमियाला में सम्मान किया गया। बता दें कि सुनील सिंह जम्मू कश्मीर में हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल का भी संचालन करते हैं। चमियाला के मां भगवती प्रांगण में आयोजित सम्मान समारोह में नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद सिंह राणा ने सूबेदार सुनील सिंह को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। बीती 27 मई को विभिन्न पर्वतारोही के साथ उन्होंने माउंट एवरेस्ट को फतह किया था। नगर पंचायत अध्यक्ष राणा ने कहा कि उत्तराखंड वीर भूमि है। यहां के लगभग हर परिवार से कोई न कोई सेना में सेवाएं देकर देश रक्षा में तैनात हैं। पर्वतारोही सुनील सिंह ने कहा कि माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए साहस और फिटनेस की जरूरत होती है। उन्होंने युवाओं से लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की अपील की। कहा कि स्पोर्ट्स के जरिए भी देश सेवा की जा सकती है। इससे पहले चमियाला बाजार से उनके गांव तक भव्य रैली निकाली गई। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष अनूप बिष्ट, पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र रावत, संजय पंवार, राकेश पंवार, प्रशांत जोशी, नत्थी सिंह, मुन्नी देवी, अंजली चौहान, विनोद कुमार, गोविंद सिंह रावत, हरिभजन पंवार सहित सैनिक की पत्नी भारती नेगी, बैसाखी देवी मौजूद रहे। (एजेंसी)

डीएम के जनता दरबार में 140 समस्याएं प्राप्त हुई, अधिकांश शिकायतों का मौके पर निराकरण

देहरादून। डीएम सविन बंसल की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार की भांति इस सोमवार को भी क्लेक्ट्रेट सभागार में जनता दरबार लगाकर जन समस्याएं सुनी गई। जनता दरबार में पहुंचे अधिकांश फरियादियों ने भूमि और घरेलू विवाद के मामले प्रमुखता से रखे। इसके अतिरिक्त मुआवजा, आर्थिक सहायता, सड़क, पेयजल, एमडीडीए, नगर निगम, पुलिस, परिवहन, शिक्षा, रोजगार आदि से जुड़ी 140समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखी। जिसमें से अधिकांश शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर निराकरण किया।

रेसकोर्स निवासी विकास घिल्डियाल ने बताया कि उसकी माता पिता के तलाक होने के बाद भी उसके पिता लाइसेंसी बंदूक से उसे और उसकी माता को डराया धमकाया करते है, जिससे कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है। सगे बेटे व पत्नी के लिए ही खतरे का सबब बना शस्त्र को डीएम ने विशेषाधिकार प्रयोग कर मौके पर ही लाइसेंस निलंबित करने के निर्देश दिए। बंगील लाईब्रेरी रोड, मान सिंह वाला निवासी किरन गोयल ने जिलाधिकारी को फरियाद लगाई कि लोनिवि द्वारा बनाई गई सड़क पर जल निकासी की व्यवस्था न होने से वर्षा होने पर 2 से 3 फीट तक पानी भर जाता है और घरो में पानी घुसता है जिससे बीमारी फैलने का खतरा है। जिस पर डीएम ने अधीक्षण अभियंता लोनिवि को कल से ही कार्य शुरू कराते हुए एक सप्ताह के भीतर समस्या निराकरण क निर्देश दिए। तय समयावधि में समाधान न किये जाने पर डीएम ने प्रतिकूल प्रविष्टी की चेतावनी जारी की। ग्राम तौली विकासनगर निवासी हुकुम सिंह का भूमि सीमांकन प्रकरण पूर्व दिए गए आदेशो के उपरान्त औपचारिकता करने की शिकायत पुनः डीएम के सम्मुख आने पर नाराजगी जाहिर करते हुए डीएम ने डीएफओ व एसडीओ कालसी को एक सप्ताह के भीतर प्रकरण निस्तारित करने के निर्देश दिए। माजरा सेवलकला निवासी 60 वर्षीय दिव्यांग टीकाराम शर्मा ने दिव्यांग पेंशन स्वीकृत करने की गुहार लगाई। दिव्यांग पेंशन न लगने का मामला सामने आने पर जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी से दिव्यांग पेंशन स्वीकृत न किए जाने का कारण तलब किया है। उन्होंने मामले की जांच कर तत्काल पेंशन स्वीकृति के निर्देश दिए।

कैंसर की बीमारी से जूझ रही किशनपुर निवासी रेनू सिंह ने अपने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। बताया कि पति के छोड़ने के बाद वह अपने बेरोजगार बेटे के साथ अकेली रहती है। कैंसर की बीमारी से पीडित है। दिल्ली और देहरादून के अस्पताल इलाज कराने के बाद भी वो बीमारी से ठीक नही हो पा रही है। जिस पर जिलाधिकारी ने जिला कार्यालय के प्रभारी अधिकारी को रायफल क्लब के अंतर्गत आर्थिक सहायता हेतु तत्काल प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वही जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को एचआईएसटी, एआईआईएमएस ऋषिकेश एवं अन्य किसी अच्छे अस्पताल से संपर्क करते हुए महिला के उपचार में सहायता करने के निर्देश दिए।

पति की मृत्यु के बाद आर्थिक तंगी से जूझ रही साहनी ने आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। बताया कि उसके तीन नाबालिग बच्चे है, घरों में बर्तन साफ करके किसी तरह बच्चों का भरण पोषण कर रही है। स्वास्थ्य खराब होने के कारण बच्चों की परवरिश में दिक्कत आ रही है। इस पर जिलाधिकारी ने ओसी क्लेक्ट्रेट को मामले की जांच कर रायफल क्लब में प्रस्ताव उपलब्ध कराने और महा प्रबंधक जिला उद्योग को महिला को स्वरोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए।ऋषिकेश नेहरू ग्राम निवासी सुहानी ने कहा कि वो आगे पढ़ना चाहती है लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण उसको पढ़ाई छोडनी पड रही है। सुहानी ने आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर तत्काल नंदा सुनंदा योजना के तहत आवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। वहीं विधवा कविता की विधवा पेंशन स्वीकृत करते हुए उनकी बिटिया की पढाई नंदा–सुनंदा से पुनर्जीवित की गई।

कांवड़ मेला क्षेत्र में अलर्ट मोड पर रहें यूपीसीएल इंजीनियर

देहरादून। कांवड़ मेला क्षेत्र में यूपीसीएल के इंजीनियरों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। एमडी यूपीसीएल अनिल कुमार ने साफ किया कि बिना अनुमति कोई भी इंजीनियर अपना कार्यक्षेत्र को नहीं छोड़ सकेंगे।

नाईट पेट्रोलिंग, ऑनसाइट निरीक्षण समेत समय पर फॉल्ट का समाधान सुनिश्चित कराना होगा। एमडी यूपीसीएल ने कहा कि कांवड मेले को देखते हुए हरिद्वार, रूडकी के तहत कांवड यात्रा मार्गों पर बिजली की आपूर्ति की निरन्तरता बनाए रखी जाए। किसी भी प्रकार की विद्युत दुर्घटना को रोकने को यात्रा मागी पर 24 घंटे एसडीओ, जेई और लाईन स्टाफ को तैनात किया गया है। सभी इंजीनियरों को कन्ट्रोल रूम से निरंतर सम्पर्क में रहने और किसी भी प्रकार के विद्युत व्यवधान के तत्काल निवारण के भी निर्देश दिए गए हैं। यूपीसीएल ने मुख्य कांवड मार्गों पर अस्थायी पथ प्रकाश व्यवस्था की है। कांवड मेला अवधि को विशेष सतर्कता वाला समय बताते हुए सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को अपनी तैनाती स्थल में उपस्थिति अनिवार्य रखने और बिना पूर्वनामुति के अपने कार्यक्षेत्र को न छोड़ने के निर्देश दिए हैं। सभी फील्ड अधिकारियों को नाईट पेट्रोलिंग, ऑनसाईट निरीक्षण के साथ ही लाइनों में आने वाले फाल्ट के तत्काल समाधान के निर्देश दिए गए हैं। हरिद्वार, ऋषिकेश, लक्सर आदि क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर लोड की निरन्तर निगरानी की जा रही है। आवश्यकता अनुरूप बैकअप फीडरों को सक्रिय रखा गया है। ताकि अधिक भार की स्थिति में विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को सम्बन्धित जनप्रतिनिधियों से नियमित संवाद बना कर रखने को कहा गया है। ताकि वे फीडबैक लेते हुए बिजली समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित करेंगे। सभी क्षेत्रीय अधिकारी मेला क्षेत्रों के स्थायी कन्ट्रोल रूम से समन्वय स्थापित करेंगे। हर जोन में व्हाट्सएप ग्रुप और अन्य सम्पर्क चैनल से सूचनाओं का तत्काल आदान प्रदान सुनिश्चित करेंगे। बिजली समस्या पर 1912 पर करें संपर्क एमडी यूपीसीएल ने किसी भी तरह की बिजली समस्या आने पर हेल्प लाइन नंबर 1912 पर संपर्क करने की अपील की। किसी भी तरह की दिक्कत पर नजदीकी बिजली आपूर्ति से जुड़ी किसी भी समस्या पर सम्पर्क कर सकते हैं।

यूकॉस्ट में हरेला के उपलक्ष्य में किया पौधरोपण

देहरादून। उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) की ओर से सोमवार को हरेला पर्व के उपलक्ष्य में फ्रूट फॉर फ्यूचर थीम के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधरोपण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि हेस्को के संस्थापक और पर्यावरणविद पद्म भूषण डॉ अनिल प्रकाश जोशी ने अपने संबोधन में विज्ञान को प्रकृति से जोड़कर, संवेदनशील और समावेशी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विज्ञान में मानवीय मूल्यों और भावनात्मक जुड़ाव के साथ साथ प्रौद्योगिकी विकास पर कार्य किया जाना चाहिए। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो दुर्गेश पंत ने पारंपरिक ज्ञान और वैज्ञानिक अनुसंधान के समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं ने वैज्ञानिक परियोजनाओं साइंस सिटी, नवाचार केंद्र, आदर्श चम्पावत, शोध व विकास, लैब ऑन व्हील्स समेत विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान यूकॉस्ट के जनसंपर्क अधिकारी अमित पोखरियाल, डॉ राजेन्द्र सिंह राणा, डॉ भवतोष शर्मा आदि मौजूद रहे।

कंसेरु गांव में सर्वसम्मति से निर्विरोध प्रधान चुनने की परंपरा कायम

उत्तरकाशी। नौगांव ब्लॉक के कंसेरु गांव में वर्षों से चली आ रही परंपरा को इस बार भी ग्रामीणों ने बरकरार रखते हुए ग्राम प्रधान का चुनाव निर्विरोध किया है। इस बार सतीश राणा को निर्विरोध ग्राम प्रधान बनाया गया। कंसेरु गांव में आज तक ग्राम प्रधान के लिए कभी मतदान नहीं हुआ है। यहां आज भी ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा वार्ड सदस्य सहित सभी पदों पर प्रत्याशियों के चुनाव आपसी सहमति से निर्विरोध किए जाते हैं। बड़कोट तहसील से करीब छह किमी की दूरी पर स्थित लगभग 1500 की जनसंख्या वाले कंसेरु गांव में करीब 671 मतदाता हैं। स्वतंत्र भारत के बाद जब से कंसेरु गांव में पंचायत चुनाव हुए हैं। तब से लेकर आज तक यहां ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य व वार्ड सदस्य के पद पर कभी चुनाव नहीं हुए हैं। कंसेरु गांव निवासी अनिल रावत बताते हैं कि कंसेरु गांव में 40 सालों तक तीन लोगों को ही ग्राम प्रधान बनाये रखा। सबसे पहले ग्राम प्रधान के लिए अमर सिंह राणा निर्विरोध चुने गए थे, जो लगातार तीन बार 15 साल तक ग्राम प्रधान बने रहे। उनकी मृत्यु के बाद ही गांव में दूसरा ग्राम प्रधान चुना गया। जिसके बाद गुलाब सिंह राणा पांच वर्ष, जोत सिंह रंवाल्टा 10 वर्ष तथा गजेंद्र सिंह राणा 15 वर्ष तक ग्राम प्रधान बने रहे। जिनके बाद सोबन देई राणा को ग्राम प्रधान चुना गया। वह कंसेरु की प्रथम महिला ग्राम प्रधान बनी। फिर शैला देवी, रविन्द्र राणा और आनंदी को ग्राम प्रधान चुना गया। आनंदी गांव की प्रथम अनुसूचित जाति महिला ग्राम प्रधान बनी और जिसके बाद सरिता राणा और अब इस बार सतीश राणा को कंसेरु गांव के ग्राम प्रधान की कमान सौंपी गई है। ये सभी ग्राम प्रधान सर्व सम्मति से निर्विरोध चुने गए हैं। कंसेरू गांव निवासी अनिल रावत, कुलदीप राणा कहते हैं कि हमारे यहां हमारे पूर्वजों द्वारा जनहित एवं गांव हित के लिए बनाई गई परंपरा को बनाए रखना हमारा परम कर्तव्य है।

सावन के पहले सोमवार पर मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

ऋषिकेश। सावन मास के पहले सोमवार को तीर्थनगरी के तमाम शिव मंदिरों में श्रद्धालओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में शिवलिंग पर जलाभिषेक कर सुख–समृद्धि की कामना की। दिनभर मंदिरों में हर–हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। सोमवार तड़के से श्रद्धालुओं का मंदिरों में पहुंचना शुरू हो गया। कई श्रद्धालु गंगा में स्नान कर जल लेकर शिव मंदिरों में पहुंचे। बेल पत्र, पुष्प आदि से शिवलिंग का श्रृंगार कर जलाभिषेक किया। ऋषिकेश के चंद्रेश्वरनगर स्थित चंद्रेश्वर महादेव मंदिर, सोमेश्वर नगर स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर, वीरभद्र क्षेत्र स्थित वीरभद्र महादेव मंदिर में सोमवार मध्यरात्रि से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरूहो गई थी। इन मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी लाइन देखने को मिली। श्रद्धालु लाइन में खड़े होकर जलाभिषेक के लिए अपनी बारी का इंतजार करते रहे और बारी आने पर उन्होंने भगवान शिव पर जलभिषेक किया। सुबह से लेकर देर शाम तक जलाभिषेक की प्रक्रिया जारी रही। शिव मंदिरों के अलावा अन्य आश्रमों व मंदिरों में भी स्थापित शिवलिंग पर श्रद्धालुओं ने पहुंचकर जलाभिषेक किया और अपनी व परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। मंदिरों, गली मोहल्लों में गूंजे शिव भजन सावन के महीने को लेकर लोगों में उत्साह है। तमाम मंदिरों में शिव भजन बज रहे हैं। ऋषिकेश के कई गली मोहल्लों में भी शिव भजन सुनाई दे रहे हैं। सावन के लिए सड़कों के किनारे लगी विभिन्न प्रकार की दुकानों में भी लाउडस्पीकर लगाकर शिव भजन बजाए जा रहे हैं। पूरा क्षेत्र शिव भजनों से गुंजायमान हो रहा है। स्कूली बच्चों को हुई परेशानी ऋषिकेश में कांवड़ यात्रा रूट पर सोमवार को स्कूलों में अवकाश घोषित नहीं किया गया। वहीं, पौड़ी डीएम ने यमकेश्वर के लक्ष्मणझूला यात्रा मार्ग पर स्थित तमाम स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया था। ऐसे में ऋषिकेश में बच्चों को स्कूल पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। सभी मार्ग शिवभक्तों से घिरे हुए दिखे। दूर से आने वाले छात्र–छात्राओं को भी सार्वजनिक वाहन आसानी से नहीं मिले। महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय डोईवाला।

सावन के पहले सोमवार को अग्रवाल धर्मशाला श्री मनोकामना सिद्धपीठ मंदिर, श्री लच्छेश्वर प्राचीन महादेव मंदिर लच्छीवाला, शिव मंदिर प्रेमनगर बाजार, लोधेश्वर मंदिर कुड़कावाला, शक्ति भवन सिद्धपीठ मंदिर देहरादून रोड, प्राचीन महादेव मंदिर भनियावाला आदि मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं कतार लगी रही।

क्लस्टर में समायोजन की तैयारी पर अभिभावकों का विरोध

उत्तरकाशी। राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोरी को क्लस्टर योजना के अंतर्गत पीएम आदर्श उच्चतर इंटर कॉलेज मोरी में समायोजित करने की प्रशासनिक तैयारियों का अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों ने विरोध किया है। गत दिवस विद्यालय परिसर में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक में अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि दोनों विद्यालयों का एक ही परिसर में संचालन शैक्षिक दृष्टि से उचित नहीं है।

जबकि, राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोरी में 74 छात्राएं अध्ययनरत हैं। अभिभावकों ने कहा कि वे बच्चों को केवल राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ही पढ़ाना चाहते हैं। मोरी विकासखण्ड जैसे दुर्गम क्षेत्र का एकमात्र बालिका विद्यालय है, जहां दूरदराज की छात्राएं पढ़ाई के लिए आती हैं। विद्यालय के बंद होने की स्थिति में छात्राओं के पठन पाठन पर बुरा असर पड़ेगा। बैठक में प्रमिला, अमर सिंह, धर्मलाल सुरेशा, जुनारी, संजय सिंह राणा, मनमोहन आदि मौजूद रहे। इधर, खंड शिक्षा अधिकारी पंकज कुमार शर्मा ने बताया कि राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोरी में 74 छात्राएं अध्यनरत है। अभिभावकों ने ज्ञापन दिया कि कन्या विद्यालय के छात्राओं को यथावत रखा जाए। इस सम्बन्ध में उच्च अधिकारियों को पत्र भेज दिया है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com